वर्ष : 17 ❖ अंक : 298 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
मंगलवार, 06 जून 2023

बड़े पैमाने पर पर्यावरण पर ध्यान केंद्रित कर रहा भारत : पीएम मोदी 3

अवधेश राय हत्या मामले में मुख्तार अंसारी को आजीवन कारावास 8

शिक्षा के विकास के लिए सरकार ने शुरु की कई योजनाएं : सीएम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 जून । नर बहादुर भंडारी गवर्नमेंट कॉलेज, तादोंग ने 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर अपना वार्षिक कॉलेज फेस्ट इंस्पायर-23 मनाया।

मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपनी धर्मपत्नी कृष्णा राई के साथ शिरकत की। कार्यक्रम में वन विभाग के मंत्री कर्मा लोडे भूटिया, विधायक जीटी ढुंगेल, विधायक सोनम वेनचुंग्पा, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग, प्रधान सचिव आर तेलंग और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री के स्वागत में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर से हुई।

कार्यक्रम के एक भाग के रूप में पौधरोपण अभियान भी आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री ने अपनी धर्मपत्नी के साथ पौधा लगाया। इस अवसर पर वन विभाग के मंत्री कर्मा लोडे भूटिया और अन्य गणमान्य लोगों ने भी विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने अपने संबोधन में एनबीबीजीसी कॉलेज के इस उत्सव को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर उन्होंने 'मेरो रुख, मेरो संतति' योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होने कहा कि कैसे पौधरोपण प्रदूषण को कम और नियंत्रित करता है इस बारे में लोगों जागरूक करने को और अधिक पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि 100 पेड़ लगाने की पहल 'मेरो रुख, मेरो संतति' की योजना को संशोधित किया गया था। उन्होंने कहा कि यह योजना अब हर नवजात बच्चे के लिए 108 पेड़ लगाने को प्रोत्साहित करेगी।

इसके अलावा, उन्होंने सभी कॉलेज छात्रों को वार्षिक कॉलेज फेस्ट इंस्पायर-23 में उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए बधाई दी। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम में शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्रों के उत्साह की सराहना की। उन्होंने इन चार वर्षों में सरकार की ओर से किए गए उल्लेखनीय कार्यों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि एडहॉक शिक्षकों को 8 साल पूरा होने के बाद नियमित करने को लेकर नीति बनाई गई है।

उन्होंने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने नर बहादुर भंडारी फैलोशिप जहां इस योजना का उद्देश्य सिक्किम के प्रतिभाशाली और सबसे होनहार स्नातकों को दुनिया के शीर्ष 20 विश्वविद्यालयों में उच्च अध्ययन करने का अवसर प्रदान करना है। अपतन फैलोशिप योजना, जो उन विद्वानों के लिए सहायता प्रदान करती है जो राज्य में उपयोग की जाने वाली किसी भी भाषा में पीएचडी का विकल्प चुनते हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एनबीबीजीसी कॉलेज से प्रत्येक वर्ष 5 जून को अपना वार्षिक उत्सव मनाने का आग्रह किया, क्योंकि इस दिन को 'विश्व पर्यावरण दिवस' के रूप में भी मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कॉलेज के लिए एयर कंडीशनिंग सुविधा के साथ एक सभागार बनाने का भी वादा किया और हॉल का नाम इंस्पायर कन्वेंशन हॉल रखने की घोषणा की। उन्होंने प्रथम वर्ष के छात्रों को शिक्षा विभाग और अंतिम वर्ष के छात्रों को मुख्यमंत्री कोष से लैपटाप उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने आज राज्य सरकार गठन के 4 वर्ष पर किरण छेत्री द्वारा लिखित वृत्तचित्र पुस्तक का विधिवत विमोचन किया।

वन विभाग के सचिव प्रदीप कुमार ने अपने संबोधन में मेरो रुख, मेरो संतति (माई ट्री, माई चाइल्ड) की हरित पहल पर प्रकाश डाला, जिसकी अवधारणा मुख्यमंत्री द्वारा सिक्किम में प्रत्येक नवजात शिशु के लिए 100 पेड़ लगाने की थी। उन्होंने बच्चे के जन्म के उपलक्ष्य में माता-पिता, बच्चों और प्रकृति के बीच संबंध को मजबूत करने के विचार की सराहना की।

उन्होंने दीर्घकालिक प्रभाव के साथ नि:स्वार्थ समर्पण की पहल के रूप में योजना के बारे में अपने दृष्टिकोण से अवगत कराया।

इसी तरह, उन्होंने सिक्किम को भारत के हरित राज्य के रूप में ब्रांडेड बताया। इसके अलावा, वन विभाग के विजय मंगर और योगिना गुरुंग द्वारा प्रस्तुत एक गीत, मेरो रुख, मेरो संतति पेश किया गया। इसके बाद, योजना के बारे में एक लघु फिल्म साझा की गई, जिसमें सिक्किम के युवाओं के लिए एक प्रभावशाली संदेश था। यह मुख्य रूप से एक उच्च-स्तरीय जलवायु परिवर्तन प्रभाव का गठन करने पर ध्यान केंद्रित करना था और इस बात पर जागरुकता फैलाना था कि कैसे अति प्राचीन काल से राज्य प्रकृति के साथ अंतरंग रहा है।

डॉ देवव्रत पुरोहित, प्राचार्य, एनबीबीजीसी ने अपने संबोधन में मुख्य अतिथि व अन्य गणमान्य लोगों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि वार्षिक उत्सव इंस्पायर-23 का मुख्य उद्देश्य खेल, संस्कृति और साहित्यिक गतिविधियों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि और बहुमुखी प्रतिभा दिखाने के लिए एक अवसर और एक मंच देना था। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एनएएसी से मान्यता प्राप्त होने वाले राज्य के पहले कॉलेज के रूप में प्रकाश डाला, जिसने हाल ही में ग्रेड बी++ क्रेडेंशियल के साथ दूसरा चक्र पूरा किया है। उन्होंने महाविद्यालय परिसर के पुनर्निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए गए। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

प्रकृति के साथ सद्भाव में जीवन जीना आवश्यक : राज्यपाल आचार्य

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 जून । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिय। इस अवसर पर उन्होंने कुपुप (लगभग 13000 फीट) में रोडोडेंड्रोन और सिल्वर फर के पौधे लगाकर पौधरोपण अभियान चलाया। यह सिक्किम के सबसे ऊंचे स्थानों में से एक है। उन्होंने भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करने के लिए वन क्षेत्र को पुनर्स्थापित और विस्तारित करने का संदेश देने के लिए इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

इससे पहले उन्होंने सोप्चू चू में एक जल संचयन तालाब का उद्घाटन किया जो स्थायी जल प्रबंधन को बढ़ावा देने और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आजादी का अमृत महोत्सव के मौके पर, राज्यपाल आचार्य ने जैव विविधता को संरक्षित करने के लिए उच्च ऊंचाई वाली कुपुप झील में ब्राउन ट्राउट मछली पालन का शुभारंभ किया। लगभग 75 साल पहले 12वें मिवांग डेनजोंग छोग्याल पाल्डेन थोंडुप नामग्याल ने जम्मू और कश्मीर से मेमेंचू झील में ब्राउन ट्राउट लाकर छोड़ा था। विश्व पर्यावरण दिवस पर गवर्नर रैंचिंग स्थायी जलीय कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देती है, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करती है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करती है।

इसके बाद, राज्यपाल ने नाथुला पहुंचने पर वहां तैनात भारतीय सेना के अधिकारियों और जवानों के साथ बातचीत की और उनके द्वारा प्रदर्शित समर्पण, वीरता और पेशेवराणा अंदाज की सराहना की। उन्होंने इन सैनिकों की जबरदस्त प्रतिबद्धता के लिए उनकी प्रशंसा की, जो देश और इसके नागरिकों की रक्षा के लिए स्वेच्छा से अपनी नींद और आराम का त्याग करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हमारी सेना निस्वार्थता और समर्पण के सच्चे सार का उदाहरण देती हैं, राष्ट्र प्रथम रखती हैं और देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपार बलिदान देती हैं।

राज्यपाल ने स्थानीय ग्रामीणों के साथ सकारात्मक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने लोगों की जरूरतों और आकांक्षाओं को समझने के साथ-साथ सामुदायिक चिंताओं को दूर करने में उनकी सक्रिय भागीदारी को समझने में सेना के प्रयासों को मान्यता दी। ऐसे कई उदाहरणों पर उन्होंने प्रकाश डाला जहां भारतीय सेना ने प्राकृतिक आपदाओं, दुर्घटनाओं और अन्य विभिन्न आपात स्थितियों के दौरान आवश्यक सहायता प्रदान की है। राज्यपाल ने कहा कि जेएन रोड, सिक्किम में हाल ही में हिमस्खलन और ओडिशा में हुई दुखद ट्रेन दुर्घटना जैसी महत्वपूर्ण स्थितियों में उन्होंने अपने कार्यों से लोहा मनवाया है।

उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस पर कुपुप (शेष पृष्ठ ०३ पर)

एसकेएम ने घोषणापत्र का एक भी वादा नहीं किया पूरा : पवन चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 जून । पूर्व मुख्यमंत्री तथा एसडीएफ अध्यक्ष पवन चामलिंग ने यह कहते हुए एसकेएम सरकार की आलोचना की है, एसकेएम पार्टी ने सरकार बनने के सौ दिनों के भीतर राज्य विधानसभा में लिम्बू-तमांग के लिए सीट आरक्षण करेगी, लेकिन चार साल बीत जाने के बाद भी उसने अपना वादा नहीं निभाया है। उन्होंने कहा कि एसकेएम सरकार ने न केवल सिक्किम के लोगों बल्कि देवताओं के साथ भी विश्वासघात किया है।

उन्होंने आज राजधानी के इंदिरा बाईपास स्थित पार्टी मुख्यालय में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि एसकेएम पार्टी ने अपने चुनावी घोषणा पत्र को गीता, बाइबल और दोमांग का दर्जा देकर इसकी शपथ ली थी। हालांकि, सरकार में आने के इतने सालों में उन्होंने घोषणा पत्र में लिखा एक भी वादा पूरा नहीं किया है।

एसडीएफ अध्यक्ष पवन चामलिंग का कहना है कि एसकेएम सरकार सभी मामलों में केवल बहाना बनाती है और पिछली सरकार ने ऐसा नहीं किया और वैसा नहीं किया कहकर अपनी जिम्मेदारी से भागती है। पवन चामलिंग ने कहा कि पिछली सरकार ने क्या किया या क्या नहीं किया, इस बारे में बात करने के लिए सिक्किम के लोगों ने एसकेएम पार्टी को सत्ता में नहीं लाया है। उन्होंने इसे चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा करने के लिए भेजा है।

उन्होंने मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग से सवाल करते हुए कहा कि पिछली सरकार ने सभी गलत काम किए जबकि आपकी सरकार ने चार साल में सब कुछ ठीक किया। इसके साथ ही उन्होंने व्यंग्य करते हए कहा कि जब भी वे किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जाते हैं, एसकेएम पार्टी के समर्थक गो बैक का नारा लगाते हैं। पवन चामलिंग ने कहा, वे मुझे गो बैक

कहते हैं। अगर मैं वापस जाता हूं तो मैं मिंतोकगांग पहुंचूंगा। लेकिन क्या वे जानते हैं कि अगर सिक्किम के लोग अपने नेता (मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग) को वापस भेज देंगे तो वे कहां जाएंगे।

पवन चामलिंग ने अपने भाषण के दौरान मौजूदा एसकेएम सरकार पर कई तरह के आरोप लगाए। उन्होंने एसकेएम सरकार को 40 फीसदी कमीशन खाने वाली सरकार भी करार दिया। उनके मुताबिक मौजूदा सरकार हर काम के लिए 40 फीसदी कमीशन रखती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार लोगों के अधिकारों की सुरक्षा करने में विफल रही है। यह सरकार केंद्र से यहां के लोगों के लिए आने वाला बजट भी खा जाती है। पवन चामलिंग ने कहा कि एक सच्चा नेता लोगों के अधिकार और भविष्य को बेचकर पैसे नहीं खाता है। मुख्यमंत्री आज जो भी पैसा और वाहन बांट रहे हैं, वह सिक्किम के अधिकारों को बेचकर लाया गया पैसा है।

इसके साथ ही पवन चामलिंग ने आज यह भी दावा किया कि राज्य में मुख्यमंत्री से भी बड़ा एक और मुख्यमंत्री (शेष पृष्ठ ०३ पर)

बीजेपी ने पर्यावरण दिवस पर राज्यभर में आयोजित किए विभिन्न कार्यक्रम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 जून । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रदेश भर में वृहद पौधरोपण कार्यक्रम के साथ-साथ स्वच्छता अभियान चलाया गया।

केंद्र में भाजपा सरकार के 9 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में चल रहे महीने भर के कार्यक्रम के तहत पार्टी आज और कल दो दिन विभिन्न स्तरों पर विशेष उत्साह के साथ पर्यावरण दिवस मना रही है।

इस बीच, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ एम चुबा एओ, जो सिक्किम के दौरे पर हैं, ने पार्टी विधायक श्री वाईटी लेख्चा की उपस्थिति में नामचेबुंग निर्वाचन क्षेत्र के निमटार में पौधरोपण अभियान में भाग लिया। अभियान में स्थानीय युवाओं के साथ-साथ पार्टी कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

इसी तरह पार्टी उपाध्यक्ष अर्जुन राई के नेतृत्व में नामची के असांगथांग में व्यापक पौधरोपण एवं सफाई अभियान चलाया गया। साथ ही प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्थानीय नेताओं के नेतृत्व में पौधरोपण, सफाई अभियान, जल स्रोतों की सुरक्षा आदि कार्यक्रमों

का आयोजन कर अपने-अपने तरीके से पर्यावरण दिवस मनाया गया।

पार्टी कल राज्य में विभिन्न स्थानों पर पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम भी करेगी। यह जानकारी प्रदेश भाजपा की ओर से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

दिल्ली में 8 साल में विकास की गति मंद नहीं पड़ी लेकिल प्रदूषण जरूर कम हो गया : केजरीवाल

नई दिल्ली, 05 जून (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में पिछले आठ वर्ष में विकास की गति धीमी नहीं पड़ी है लेकिन प्रदूषण का स्तर का स्तर जरूर कम हो गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर त्यागराज स्टेडियम में एक कार्यक्रम में केजरीवाल ने कहा कि शहर में 2016 के मुकाबले 2022 में पीएम 2.5 और पीएम 10 दोनों का स्तर 30 प्रतिशत तक गिर गया है।

उन्होंने कहा कि जब भी विकास होता है तो पेड़ों को काटने, सड़क निर्माण, धूल उड़ने समेत अन्य वजहों से प्रदूषण भी होता है।

केजरीवाल ने कहा, दिल्ली में पिछले आठ वर्ष में विकास की गति कम नहीं हुई है। स्कूलों, अस्पतालों तथा फ्लाईओवरों का निर्माण किया जा रहा है लेकिन इस अवधि में प्रदूषण का स्तर जरूर कम हो गया है।

आंकड़े साझा करते हुए उन्होंने कहा कि 2016 में प्रदूषण का स्तर 26 दिन तक बहुत खराब रहा जब शहर गैस चैम्बर के समान बन गया था। उन्होंने कहा कि 2022 में ऐसे दिन केवल छह थे।

उन्होंने कहा कि 2016 में प्रदूषण का स्तर 109 दिन तक आसमान साफ रहने के साथ खराब श्रेणी में था और बाहर हवा काफी अच्छी दर्ज की गयी थी जबकि 2022 में ऐसे दिन 163 थे।

केजरीवाल ने कहा कि शहर में 2013 में वृक्ष आच्छादन प्रतिशत (कुल भूमि क्षेत्र का) 20 फीसदी था जो आज बढ़कर 23 प्रतिशत हो गया है।

प्रकृति का शोषण नहीं, दोहन करें, वरना धरती रहने लायक नहीं रहेगी : सीएम शिवराज

भोपाल, 05 जून (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को पर्यावरण दिवस पर रवींद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में 'मिशन लाइफ' का शुभारंभ किया। यहां पर सीएम ने कहा कि प्रकृति का शोषण मत करो, प्रकृति का दोहन करो। प्रकृति से उतना ही लो, जिसकी भरपाई प्रकृति अपने आप कर दे, इसमें बुराई नहीं है, लेकिन भौतिकवाद की अंधी चाह ने मनुष्य को अंधा बना दिया है। धरती का सीना चीरो और खनिज निकालो, निकालो पानी, लगाओ फैक्ट्रियां, करो कार्बन गैसों का उत्सर्जन और धरती को ऐसा बना दो कि सांस लेना मुश्किल हो जाए। 2050 तक धरती की सतह का तापमान दो डिग्री बढ़ जाएगा। सीएम ने कहा कि हम यदि शोषण ही करते रहे तो आने वाली पीढ़ी के लिए धरती पर रहना मुश्किल हो जाएगा।

सीएम ने जनता से आह्वान करते हुए कहा कि अपने जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ पर जरूर पौधे लगाएं। भारत में रोज पर्यावरण दिवस होता था। तुलसी मैया को पानी देना और शाम को दीपक जलाना, ये भारत की माता-बहनें हजारों साल पहले से करती आ रही थीं। एक बड़े पेड़ पर कितनी जीव पलते हैं। एक पेड़ पर लाखों जीव-जंतु रहते हैं। इतने पेड़ लगा दो, जितने तुम्हारे सांस के लिए जरूरी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पेड़ कई जीवों को जीवन देता है। हमारी संस्कृति में वृक्षों की पूजा की जाती है। नदियों को मां माना गया। गोवर्धन पूजा से पेड़-पर्वत और समग्र प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया गया।

सीएम ने कहा कि बिजली का जितनी जरूरत हो उतना ही उपयोग करें। ताप बिजली घर प्रदूषण फैलाते हैं। हम पानी बचा सकते हैं। हम ये संकल्प लें कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे, कपड़े के थैलियों व थैलों का उपयोग करेंगे। छोटी-छोटी आदतों में परिवर्तन कर हम धरती मां की बड़ी सेवा कर सकते हैं। आज विश्व पर्यावरण दिवस पर मैं यही संदेश आपको दे रहा हूं, पर्यावरण फैशन नहीं है कि हम कर्मकांड कर लें और सोचें कि जीवन बच गया, यह नहीं चलेगा। हम अपने जीवन में बदलाव लाएंगे लाइफस्टाइल में परिवर्तन करेंगे तो पर्यावरण बचेगा, धरती बचेगी और आने वाली पीढ़ियां भी इस धरती पर रह पाएंगी।

मुख्यमंत्री ने राज्य जलवायु परिवर्तन कार्य-योजना तथा प्रदेश के सात स्मार्ट शहर भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सतना और सागर के जलवायु कार्ययोजना पुस्तिकाओं का विमोचन किया। साथ ही प्रदेश की तीन नवीन रामसर साइट्स सिरपुर वेटलेंड इंदौर, यशवंत सागर इंदौर और सांख्य सागर शिवपुरी के प्रमाण-पत्र भी संबंधित पदाधिकारियों को प्रदान किए। मुख्यमंत्री द्वारा क्लाइमेट चेंज पीएच-डी फैलोशिप के स्वीकृति पत्र पांच शोधार्थियों को प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री ने आत्म-निर्भर गो-शाला विषय पर वेस्ट-टू-वेल्थ हेकाथॉन के दो सर्वश्रेष्ठ सुझावों के पुरस्कार अनिल तोमर तथा डॉ. योगेंद्र कुमार सक्सेना को प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने मिशल लाइफ की थीम पर वन विभाग द्वारा एक लाख से अधिक कार्यक्रम करने के लिए वन बल प्रमुख रमेश गुप्ता को सम्मानित किया। बता दें, विभिन्न विभागों द्वारा एक लाख 75 हजार कार्यक्रम मिशन लाइफ की थीम पर अब तक किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने लाइफ वॉलेन्टियर्स के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके भोपाल, विदिशा, रायसेन और सीहोर जिले के परिचय-पत्र और प्रशिक्षण पुस्तिका भेंट की। ये युवा पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए कार्य करेंगे। इस कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन कार्य-योजना, क्लाइमेट चेंज फैलोशिप तथा लाइफ स्टाइल फॉर एन्वायरमेंट पर केंद्रि फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार भी प्रदान किए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भोपाल में जगह-जगह पौधारोपण किया गया। एयरपोर्ट के पास निगम के उद्यान में 350 पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी शामिल हुए। इस दौरान पेड़ों की पूजा की गई तो मंत्रोच्चार के साथ पौधारोपण किया गया।

हिंसा की लगातार छिटपुट घटनाओं के बीच मणिपुर में इंटरनेट निलंबन 10 जून तक बढ़ाया

इंफाल, 05 जून (एजेन्सी)। हिंसा की लगातार छिटपुट घटनाओं के बीच, मणिपुर सरकार ने अफवाहों और वीडियो, फोटो और संदेशों के प्रसार को रोकने के लिए सातवीं बार इंटरनेट सेवाओं के निलंबन को 10 जून तक बढ़ा दिया है।

जो जातीय हिंसा प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य में कानून व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। गृह आयुक्त एच. ज्ञान प्रकाश ने 10 जून तक इंटरनेट सेवाओं के निलंबन को बढ़ाते हुए एक नई अधिसूचना में कहा कि मणिपुर के पुलिस महानिदेशक ने बताया कि अभी भी घरों और परिसरों में आगजनी जैसी घटनाओं की खबरें आ रही हैं।

आदेश ने कहा, ऐसी आशंका है कि कुछ असामाजिक तत्व छवियों, अभद्र भाषा और जनता के जुनून को भड़काने वाले अभद्र वीडियो संदेशों के प्रसारण के लिए बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया का उपयोग कर सकते हैं, जो राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल करने की मांग का विरोध करने के लिए ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ मणिपुर द्वारा आहूत 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के दौरान और उसके बाद 16 में से 11 जिलों में 3 मई को व्यापक हिंसा भड़क उठी थी। मणिपुर सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इंटरनेट पर रोक लगा दी।

जैसा कि संघर्षग्रस्त राज्य के लोग विभिन्न आवश्यक वस्तुओं, परिवहन ईंधन, रसोई गैस और जीवन रक्षक दवाओं की कमी का सामना कर रहे हैं, बैंकिंग में गड़बड़ी और ऑनलाइन सुविधाएं सामान्य जीवन को अस्त-व्यस्त कर रही हैं, पर्वतीय राज्य में एक महीने से अधिक समय से इंटरनेट बंद है।

इंटरनेट सेवाओं के अभाव में ट्रैवल एजेंसियों, इंटरनेट आधारित सेवाओं, ऑनलाइन बुकिंग, मीडिया, छात्रों और व्यापार समुदाय को बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस सहित विभिन्न संगठन मणिपुर में इंटरनेट सेवा तत्काल बहाल करने की मांग कर रहे हैं।

पिछले हफ्ते मणिपुर उच्च न्यायालय के एक वकील चोंगथम विक्टर सिंह ने मणिपुर में यांत्रिक और बार-बार इंटरनेट बंद करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की।

याचिका में कहा गया है कि जब सरकार ने दावा किया कि राज्य सामान्य स्थिति में लौट रहा है, उसी राज्य प्राधिकरण ने इंटरनेट सेवाओं को निलंबित करना जारी रखा।

अधिवक्ता शादान फरासत के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है, इंटरनेट सेवाओं का निलंबन भाषण की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार और इंटरनेट के संवैधानिक रूप से संरक्षित माध्यम का उपयोग करके किसी भी व्यावसायिक और पेशेवर गतिविधि को करने के अधिकार के साथ हस्तक्षेप में घोर असंगत है।

बीजापुर में हुआ बम ब्लास्ट, सीआरपीएफ के 3 जवान घाय

बीजापुर, 05 जून (एजेन्सी)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में प्रेशर बम की चपेट में आने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के तीन जवान घायल हो गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत टेकामेटा पहाड़ी के करीब बारूदी सुरंग की चपेट में आने से सीआरपीएफ के 85वीं बटालियन के जवान कीर्तनिया, रिपन कुमार साहू और 222 वीं बटालियन का जवान विशाल कुमार घायल हो गए हैं।

उन्होंने बताया कि आज सुबह जिले के पुसनार शिविर से गश्त के लिए सीआरपीएफ के दल को हिरोली गांव की ओर रवाना किया गया था। दल जब सुबह लगभग साढ़े दस बजे टेकामेटा की पहाड़ी के करीब पहुंचा, तब जवानों ने प्रेशर बम पर पैर रख दिया। इससे बम में विस्फोट हो गया और तीन जवान घायल हो गए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घायल जवानों को जिला चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से रायपुर भेजा जा रहा है।

अर्धसैनिक बल के अधिकारी ने बताया, घायलों में से एक जवान को पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं जबकि दो अन्य को मामूली चोटें आई हैं।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है।

दीपक जोशी के बाद कई बड़े बीजेपी नेता कांग्रेस में आने वाले हैं : जयवर्धन सिंह

इंदौर, 05 जून (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता जयवर्धन सिंह ने कहा कि भाजपा तीन हिस्सों में बंट गई है। पहली शिवराज भाजपा, दूसरी महाराज भाजपा और तीसरी नाराज भाजपा। जयवर्धन सिंह कांग्रेस की सरकार में पूर्व नगरीय विकास एवं आवास मंत्री रह चुके हैं। वे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह के बेटे हैं और चुनाव के चलते इंदौर-उज्जैन की जिम्मेदारी उन्हें दी गई है। वे रविवार देर रात इंदौर में थे। उनके इस बयान पर भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस तो कबीलों और दरबारियों में बंटी हुई पार्टी है। जयवर्धन ने आगे कहा कि दीपक जोशी के बाद कई बड़े भाजपा नेता हमारे साथ आने वाले हैं। उनके कांग्रेस में आने से केवल देवास जिले में ही नहीं पूरे मालवा में एक संदेश गया है। उनकी अपने समाज में ही नहीं मतदाताओं के बीच भी अलग पहचान है। भाजपा के कई नेता कांग्रेस के संपर्क में हैं। जयवर्धन को इंदौर और उज्जैन का प्रभारी बनाया गया है। रविवार देर रात सिंह ने कहा कि मैं जल्द ही इंदौर और उज्जैन की हर विधानसभा में एक दिन रहकर योजना तैयार करूंगा। वे 10 जून से 30 जून के बीच इंदौर और उज्जैन में अलग-अलग बैठकें लेंगे।

वहीं जयवर्धन सिंह के बयान पर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने कहा कि भाजपा में सिर्फ संगठन सर्वोपरि होता है लेकिन कांग्रेस के अंदर कितने दल हैं जयवर्धन सिंह अगर गिनना भी चाहेंगे तो गिन नहीं पाएंगे।

महाकाल लोक की मूर्तियां खंडित होने पर सिंह बोले की भ्रष्टाचार की वजह से महाकाल लोक की मूर्तियां खंडित हुई हैं। मूर्तियों का खंडित होना भ्रष्टाचार का नतीजा है। जल्द ही मामले की जांच पूरी होने के बाद जिम्मेदारों के नाम सामने आ जाएंगे।

कर्नाटक का बजट सात जुलाई को; सिद्धरमैया बोले- जनता के लिए सभी वादे पूरे करेंगे

दावणगेरे (कर्नाटक), 05 जून (एजेन्सी)। कर्नाटक का बजट अगले महीने यानी जुलाई में पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने सोमवार को बताया कि राज्य का बजट सात जुलाई को पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल में अभी बजट पर चर्चा नहीं हुई है, लेकिन विधानसभा का सत्र तीन जुलाई से शुरू होगा। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के बाद सात जुलाई को बजट पेश किया जाएगा।

सिद्धरमैया ने कहा कि हम बजट सत्र में अपने घोषणापत्र में किए गए वादों को लागू करने के लिए प्रावधान करेंगे। बता दें कि चुनाव से पहले पिछली सरकार द्वारा पेश किए गए बजट का आकार 3.08 लाख करोड़ रुपये था। इंदिरा कैंटीन के बारे में सिद्धरमैया ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को इसे फिर से शुरू करने के लिए सभी तैयारियां करने का निर्देश दिया है। गोवध विरोधी कानून पर फिर से विचार करने के संबंध में कर्नाटक के पशुपालन मंत्री के. वेंकटेश के बयान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस पर मंत्रिमंडल में चर्चा करेंगे और अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है।

बिजली दरों में 2.89 रुपये प्रति यूनिट की बढ़ोतरी के मुद्दे पर सिद्धरमैया ने कहा कि यह फैसला सरकार ने नहीं, बल्कि कर्नाटक विद्युत विनियामक आयोग (केईआरसी) ने लिया है। उन्होंने कहा कि हम बिजली दरों में बढ़ोतरी का फैसला नहीं करते हैं। कर्नाटक बिजली विनियामक प्राधिकरण ने फैसला किया है। उसने पूर्व में यह निर्णय लिया था। हमने केवल इसे लागू किया है।

इस बीच कर्नाटक सरकार ने सोमवार को शक्ति योजना को लागू करने के आदेश जारी किए। इसके तहत 11 जून से कुछ शर्तों के साथ महिलाएं सरकारी बसों में निशुल्क यात्रा कर सकेंगी। कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणापत्र में सरकारी बसों में महिलाओं के लिए निशुल्क यात्रा का वादा किया था। यह उन पांच चुनावी गारंटी में से एक है, जिन्हें राज्य में पार्टी के सत्ता में आने पर लागू किया जाएगा।

कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव से पहले वादा किया था कि वह सत्ता में आते ही पांच गारंटी लागू करेगी। इनमें हर घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली (गृह ज्योति योजना), प्रत्येक परिवार की महिला मुखिया को दो हजार रुपये की मासिक सहायता (गृह लक्ष्मी योजना), गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों के हर सदस्य को प्रत्येक महीने 10 किलो मुफ्त चावल (अन्न भाग्य योजना), दो साल तक 18 से 25 साल की उम्र वाले प्रत्येक स्नातक बेरोजगार को हर महीने तीन हजार रुपये और डिप्लोमा धारक को 1500 रुपये महीना का भत्ता (युवा निधि योजना) और सार्वजनिक बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा (शक्ति योजना) शामिल हैं।

कांग्रेस के अनपढ़ जिस धरती से देश की बुराई कर रहे, वहां की जीडीपी तो भारत से काफी नीचे है : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 05 जून (एजेन्सी)। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर करारा निशाना साधते हुए कहा है कि आज भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति है।

वह दिन दूर नहीं, जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति होगी। कोरोना के कारण सप्लाई चेन प्रभावित होने और रूस-यूक्रेन युद्ध से उपजे आर्थिक संकट के बावजूद भारत की आर्थिक विकास दर दुनिया में सबसे अधिक है। नड्डा ने तीखा निशाना साधते हुए कहा, 'मैं कांग्रेस के अनपढ़ भाइयों को क्या बताऊं। जिस धरती से आप देश की बुराई कर रहे हैं, वहां की जीडीपी तो भारत से काफी नीचे है। आज भारत की जीडीपी का अनुमान 7.2 प्रतिशत है। आप इन्फ्लेशन के आंकड़े उठाकर ही देख लीजिए, भारत की स्थिति दुनिया के कई बड़े देशों से बेहतर है। दुनिया कह रही है कि इंडिया इज ब्राइट स्पॉट, लेकिन कांग्रेस वालों को कैसे बताएं। हम उनकी आंखें तो सही कर सकते हैं, लेकिन विजन कैसे दें?'

नड्डा ने सोमवार को तीन मूर्ति भवन स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय सभागार परिसर में मोदी सरकार की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तक 'अमृतकाल की ओर' के लोकार्पण के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी पर मोहब्बत की दुकान नहीं, नफरत का मेगा शॉपिंग मॉल खोलकर बैठने का आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी हमेशा भारत के आत्मविश्वास को कमजोर करने में लगे रहते हैं, समाज में विभाजन के प्रयास करते हैं और हिंदू-मुस्लिम डिवाइड की बात करते हैं।

उन्होंने कहा कि जब-जब हमारे गौरव की बात होती है, हमारी तूती बोलती है, तब-तब कांग्रेस के नामदार युवराज राहुल गांधी को पता नहीं क्यों, देश के बढ़ते गौरव से समस्या हो जाती है। भारत का गौरव उन्हें अच्छा नहीं लगता। राहुल गांधी और कांग्रेस के नेता पीएम मोदी का विरोध करते-करते भारत का विरोध करने लग जाते हैं।

नड्डा ने मोदी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को पॉलिसी पैरालिसिस से बाहर निकालकर देश में वोट बैंक पॉलिटिक्स की जगह रिपोर्ट कार्ड की संस्कृति को स्थापित किया है। देश डायनेस्टिक पॉलिटिक्स से निकलकर डेमोक्रेसी पॉलिटिक्स पर आ गया है और अब देश मेरिटोरियस पॉलिटिक्स करना सीख चुका है। उन्होंने कहा कि एक समय देश में डिवीजन की पॉलिटिक्स थी - नार्थ साउथ डिवीजन, लैंग्वेज डिवीजन, आपस में वैमनस्यता के बीज बोये जा रहे थे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने सभी डिवीजन को खत्म कर देश को एकता के सूत्र में पिरोया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 2004 से 2014 के कालखंड में नेता, नीति, नेतृत्व, नीयत - सब पर प्रश्नवाचक चिह्न लगे हुए थे। 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद देश को निर्णायक नेतृत्व भी मिला, विकास के प्रति समर्पित नीति भी मिली, और सही नीयत भी मिली। भारत अमृतकाल में प्रधानमंत्री के निर्णायक नेतृत्व में तेज गति से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। पहले जब भी चर्चा होती थी, इंडिया-पाकिस्तान की एक साथ चर्चा होती थी। आज केवल भारत की चर्चा होती है। पहले देश में आए दिन आतंकी घटनाएं होती रहती थीं। लेकिन अब आतंकी घटनाओं पर काबू पाया गया है। विगत 9 वर्षों में विकास और विरासत, दोनों का खयाल रखा गया। बाबा काशी विश्वनाथ धाम से लेकर केदारनाथ तक का विकास किया गया। सभी तीर्थस्थलों और आस्था केंद्रों का पुनरुद्धार किया गया। हमारी संस्कृति के प्रतीक भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण शुरू हुआ, जिसे वर्षों से लटकाकर रखा गया था।

नड्डा ने सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि मोदी सरकार ने गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, युवा, महिला - सबकी चिंता की है, सबका सशक्तिकरण किया है। बीते 9 साल में गरीबों के लिए लगभग साढ़े तीन करोड़ घर बने हैं, 12 करोड़ शौचालयों का निर्माण हुआ है, लगभग तीन करोड़ घरों में बिजली पहुंची है, 12 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल पहुंचाया गया है, साढ़े 9 करोड़ गैस कनेक्शन वितरित किए गए हैं, लगभग 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत का लाभ मिल रहा है, करोड़ों मुद्रा लोन दिए गए हैं और 10 करोड़ से अधिक किसानों को सालाना छह हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। पहले देश की जरूरत का लगभग 92 प्रतिशत मोबाइल इंपोर्ट होता था, आज लगभग 97 प्रतिशत मोबाइल देश में बन रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में भारत में व्यापक ग्रोथ हुआ है। भारत ने इलेक्ट्रॉनिक्स में लगभग 70 हजार करोड़ रुपये का निर्यात किया है। भारत दुनिया में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में दूसरे स्थान पर, स्टील उत्पादन में चौथे स्थान पर, ऑटोमोबाइल सेक्टर में तीसरे स्थान पर है। टॉयज प्रोडक्शन में तीन गुना वृद्धि हुई है।

सिसोदिया पत्नी से मिल सकते है, पर हाई कोर्ट का जमानत से इनकार

नई दिल्ली, 05 जून (एजेन्सी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया को सीमित राहत दी है।

हाई कोर्ट ने सिसोदिया को अंतरिम जमानत देने से सोमवार को इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने हालांकि मनीष सिसोदिया को हिरासत में रहने के दौरान एक दिन सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे के बीच अपनी बीमार पत्नी से मिलने की अनुमति दे दी।

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने अंतरिम जमानत का अनुरोध करते हुए कहा था कि उनकी बीमार पत्नी की देखभाल करने वाला उनके अलावा कोई और नहीं है। मामले में नियमित जमानत के लिए सिसोदिया की याचिका उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है।

इस मामले में नौ मार्च को गिरफ्तार किए गए सिसोदिया अभी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की न्यायिक हिरासत में है। ईडी ने सबूतों के साथ छेड़छाड़ की आशंका जाहिर करते हुए अंतरिम जमानत याचिका का विरोध किया है।

ईडी के वकील ने दावा किया कि सिसोदिया की पत्नी चिकित्कसीय स्थिति पिछले 20 साल से ऐसी ही है।

दिल्ली सरकार ने 17 नवंबर 2021 को नीति लागू की थी, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच सितंबर 2022 के अंत में इसे वापस ले लिया था।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति से जुड़े उस मामले में 30 मई को सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया था, जिसकी जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है।

राहुल की 'मोहब्बत की दुकान' पर जेपी नड्डा का पलटवार, बोले- आपने 'नफरत का मोगा शॉपिंग मॉल' खोल रखा है

नई दिल्ली, 05 जून (एजेन्सी)। उन्होंने कहा कि टुकड़े-टुकड़े गैंग का साथ देने वालों को दुनिया भी समझती है। इन सभी ने सिर्फ भारत के आत्मविश्वास को कमजोर करने का काम किया है। पीएम मोदी का विरोध करते-करते ये देश का विरोध करने लगते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं भी कुछ भी कहिए, लोग सब जानते हैं।

मोदी सरकार की 9 साल की उपलब्धि पर पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि 2014 से पहले के दौर और 2014 के बाद के दौर में जमीन-आसमान अंतर है। लोगों का मानना था कि कुछ भी नहीं बदलेगा और भ्रष्टाचार सब जगह होगा, हम सुधरने वाले नहीं हैं, यह देश की मानसिकता बन गई थी। हमारे देश की गिनती भ्रष्ट देशों में होती थी। कोई नेतृत्व, इरादा या नीति नहीं थी। हालांकि, लोगों ने भाजपा को वोट दिया और 2014 में भारत को एक ऐसा नेतृत्व मिला जो भारत को आगे बढ़ा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस पुस्तक (अमृतकाल की ओर) में लेखकों ने बहुत सारगर्भित और संक्षिप्त रूप से पिछले 9 वर्ष के कामकाज को रखने का प्रयास किया है। एक तरीके से ये गागर में सागर है, क्योंकि 9 साल में जितने काम किए गए हैं, उस पर चर्चा करें तो एक ग्रंथ बन जाएगा। इसके लिए मैं आप सबको बधाई देता हूं।

जेपी नड्डा ने कहा कि आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो आज भारत ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। ऋषि सुनक कहते हैं कि वह दिन दूर नहीं जब भारत, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब भारत के रक्षा मंत्री ने कहा था कि देश के सीमावर्ती गांवों में सड़क न बनाना देश की रणनीति है। इसके विपरीत आज भारत के सीमावर्ती गांवों का विकास किया जा रहा है। वहां सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है।

बड़े पैमाने पर पर्यावरण पर ध्यान केंद्रित कर रहा भारत : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 05 जून (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत वर्तमान आवश्यकताओं और भविष्य के दृष्टिकोण के बीच संतुलन बनाए रखते हुए पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के लिए एक स्पष्ट रोडमैप के साथ आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि गरीब और विकासशील देश कुछ विकसित देशों की गलत नीतियों की कीमत चुका रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत ऐसे सभी उन्नत और बड़े देशों के साथ जलवायु न्याय के मुद्दे को मजबूती से उठाता रहा है।

मोदी ने यहां विश्व पर्यावरण दिवस के एक कार्यक्रम में अपने वीडियो संदेश में कहा कि विश्व जलवायु की सुरक्षा के लिए यह महत्वपूर्ण है कि सभी देश स्वार्थी हितों से ऊपर उठकर सोचें।

उन्होंने कहा, लंबे समय से बड़े और उन्नत देशों में विकास का मॉडल विरोधाभासी था। इस विकास मॉडल में सोच यह थी कि हम पहले अपने देश का विकास करें, फिर पर्यावरण के बारे में सोचा जा सकता है।

उन्होंने कहा, इससे उन्होंने विकास के लक्ष्य तो हासिल कर लिए लेकिन दुनिया के पर्यावरण को उनके विकास की कीमत चुकानी पड़ी। आज भी दुनिया के विकासशील और गरीब देश कुछ विकसित देशों की गलत नीतियों की कीमत चुका रहे हैं।

मोदी ने कहा कि दशकों तक विकसित देशों के इस रवैये पर आपत्ति करने वाला कोई नहीं था। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि भारत ने इन सभी देशों के समक्ष जलवायु न्याय का सवाल उठाया है।

उन्होंने कहा कि भारत अपने विकास के लिए किसी भी अन्य क्षेत्र की तरह बड़े पैमाने पर पर्यावरण पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है।

उन्होंने कहा, एक तरफ हमने गरीबों को मदद मुहैया कराई है और दूसरी तरफ भविष्य की ईंधन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भी बड़े कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि अगर भारत ने अपने 4-जी और 5-जी दूरसंचार नेटवर्क का विस्तार किया है तो उसने अपने वन क्षेत्र को भी समान स्तर पर बढ़ाया है।

उन्होंने कहा, इस साल विश्व पर्यावरण दिवस का विषय एकल उपयोग वाले ख़लास्टिक (सिंगल-यूज प्लासटिक) से छुटकारा पाना है। यह एक ऐसा मुद्दा है जिसके बारे में दुनिया आज बात कर रही है लेकिन भारत पिछले चार-पांच वर्षों से लगातार इस दिशा में काम कर रहा है।

उन्होंने कहा, 2018 में ही भारत ने सिंगल यूज प्लास्टिक से छुटकारा पाने के लिए दो स्तरों पर काम करना शुरू कर दिया था। एक तरफ, हमने इस पर प्रतिबंध लगा दिया और दूसरी तरफ हमने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रसंस्करण को अनिवार्य बना दिया।

मोदी ने कहा कि पिछले नौ साल में भारत ने हरित और स्वच्छ ऊर्जा पर काफी ध्यान केंद्रित किया है। विश्व पर्यावरण दिवस संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में 1973 से प्रतिवर्ष पांच जून को आयोजित किया जाता है। यूएनईपी पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का सबसे बड़ा वैश्विक मंच है।

आईटीबीपी ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 जून । आईटीबीपी क्षेत्रीय मुख्यालय गंगटोक द्वारा आज विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, साथ ही जवानों द्वारा पर्यावरण को बचाने की शपथ भी ली गयी।

इस अवसर पर श्री आरपीएस रधुवंशी, उप महानिरीक्षक, क्षेत्रीय मुख्यालय, गंगटोक, भातिसीपु बल ने कहा कि वेदों के अनुसार मनुष्य का शरीर पृथ्वी, जल, अंतरिक्ष, अग्नि और वायु जैसे पांच तत्वों से निर्मित है। यदि इनमें से एक भी तत्व दूषित होता है तो इसका प्रभाव मानव जीवन पर अवश्य पड़ेगा। इसलिए जरूरी है और अभी से पर्यावरण का संरक्षण किया जाए, अधिक से अधिक वृक्ष लगाएं जाएं। उप महानिरीक्षक ने आगे बताया कि मनुष्य के स्वस्थ जीवन में पर्यावरण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और यदि समाज का हर व्यक्ति वसुधैव कुटुंबकम की भावना से कार्य करेगा तो आने वाले समय में इसके सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेंगे। प्रकृति और मानव का अटूट संबंध सृष्टि के निर्माण के साथ ही चला आ रहा है। धरती सदैव ही समस्त जीव-जन्तुओं का भरण-पोषण करने वाली रही है। आज कि स्थिति की बात करें तो पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जागरुकता फैलाना अति आवश्यक हो गया है।

एसकेएम ने घोषणापत्र .....

है। उन्होंने कहा, मौजूदा सीएम के ऊपर एक सुपर सीएम भी है। उनका कहना था कि जब वे मुख्यमंत्री थे तो लोगों के हिसाब से सरकार चलती थी। लोगों ने उन्हें जनमत दिया था और शक्ति दी थी। मैं केवल सिक्किम के लोगों से डरता था। इसलिए मुख्यमंत्री की गरिमा बची हुई थी। मेरे लिए कोई अधिकार निर्धारित नहीं थे मैं अधिकारियों को निर्देश देता था। लेकिन वर्तमान में ऐसा नहीं है। यह मुख्यमंत्री सुपर सीएम से संचालित हैं।

पवन चामलिंग ने अपने भाषण में मौजूदा सरकार और मुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने 5 हजार पेड़ काटे हैं और भाषण में मेरा पेड़ मेरी संतति की बात करते हैं। इसके अलावा राज्य सरकार तीस्ता स्टेज 3 के नाम से 11 हजार करोड़ का कर्ज लेने जा रही है। उन्होंने कहा कि आपने चाय बागान की जमीन बेच दी है, आपने गरीब आवास योजना के प्रत्येक घर से 9 लाख रुपये कमीशन लिया है, उन्होंने सिक्किम द्वारा अर्जित जैविक राज्य की बौद्धिक संपदा को बेचने का भी आरोप वर्तमान सरकार पर लगाया।

कार्यक्रम में उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पवन चामलिंग ने कहा कि एसडीएफ 2.0 सरकार में वापस आने और राज्य को विकास की दिशा में ले जाने के लिए तैयार है।

प्रकृति के साथ .....

कम्युनिटी हॉल में सभा को संबोधित करते हुए जीवन के स्रोत और नींव के रूप में पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पर्यावरण ही हमें हमारी दैनिक जरूरतों और एक विविध पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करता है। सभी जीवित प्राणियों को बनाए रखता है और लोगों से प्रकृति के साथ सद्भाव में जीवन जीने का आग्रह करता है। औद्योगीकरण ने आर्थिक विकास में जो महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उसे स्वीकार करते हुए उन्होंने एक संतुलन खोजने के महत्व पर बल दिया जो वर्तमान और भावी पीढ़ियों की भलाई के लिए हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है।

उन्होंने सुदूर सीमावर्ती क्षेत्रों के सभी लोगों को वाइब्रेंट विलेज परियोजना के माध्यम से शुरू की गई केंद्र और राज्य की योजनाओं के दायरे और अवसरों का लाभ उठाने की सलाह दी। इसके अलावा, उन्होंने सिक्किम की परंपरा और संस्कृति के पोषित आधार के रूप में सराहना की। उन्होंने नाथांग की जनता की भी प्रशंसा की।

उन्होंने नाथांग जीपीयू में पंचायतों और स्थानीय जनता के साथ भी बातचीत की। राज्यपाल से स्थानीय लोगों ने नाथांग में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शुरू करने का भी आग्रह किया। राज्यपाल के दौरे के क्रम में उनके साथ जिलाधिकारी के साथ ही अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ओडिशा सरकार के सामने शवों की पहचान बड़ी चुनौती

भुवनेश्वर, 05 जून (एजेन्सी)। बालासोर ट्रिपल ट्रेन त्रासदी में बचाव अभियान पूरा हो चुका है। घायल यात्रियों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है और कई को छुट्टी भी दे दी गई है। लेकिन ओडिशा सरकार के सामने बड़ी चुनौती शवों की पहचान की है।

ट्रेन हादसे के बाद जहां कुछ शव लावारिस पड़े हैं, वहीं दो अलग-अलग परिवारों ने एक ही शव पर दावा किया है। अधिकारियों ने कहा कि शव बुरी हालत में होने के कारण परिवार के सदस्यों को पहचान करने में कठिनाई हो रही है।

एम्स भुवनेश्वर के मुर्दाघर में 123 शवों को संरक्षित किया गया है, जबकि अन्य 70 को राजधानी अस्पताल, सम अस्पताल, अमरी अस्पताल, केआईएमएस अस्पताल और भुवनेश्वर के हाई-टेक अस्पताल के मुर्दाघर में रखा गया है।

भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी) आयुक्त विजय अमृता कुलंगे ने कहा, हम कुछ शवों की पहचान करने में समस्याओं का सामना कर रहे हैं क्योंकि शव बहुत खराब स्थिति में हैं और चेहरों की ठीक से पहचान नहीं हो पा रही है। ऐसे मामलों में हमें डीएनए परीक्षण करके आगे बढ़ना होगा।

उन्होंने कहा कि डॉक्टर शवों को संभालते समय सभी प्रक्रियाओं का पालन कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल के एक वृद्ध व्यक्ति ने कहा, हमने हमारे (परिजन के) शव पर दावा करने के लिए स्थानीय प्राधिकरण के समक्ष संबंधित दस्तावेज जमा किए हैं। लेकिन किसी और ने उसी शव पर दावा करते हुए शिकायत दर्ज कराई है। इसलिए, हमें शव नहीं मिल सका है।

राज्य के मुख्य सचिव प्रदीप कुमार जेना ने एक ट्वीट में कहा, 275 शवों में से अब तक 151 की पहचान कर ली गई है।

उन्होंने कहा, ओडिशा सरकार ने शवों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए शवों/मृत शरीर वाहकों की व्यवस्था की है।

ओडिशा के विकास आयुक्त अनु गर्ग ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रत्येक अस्पताल और प्रत्येक मुर्दाघर में हेल्प डेस्क स्थापित किए हैं और अधिकारी पीड़ितों और उनके परिवार के सदस्यों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं।

गर्ग ने कहा, शवों की पहचान में समस्या आमतौर पर इतनी बड़ी विनाशकारी त्रासदी में होती है। लेकिन, राज्य प्रशासन रेलवे और भारत सरकार के अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से मुद्दों को हल करने के लिए सभी प्रयास कर रहा है।

उन्होंने कहा, हम उन्हें शवों की तस्वीरें दिखा रहे हैं और विभिन्न अस्पतालों में इलाज करा रहे यात्रियों की सूची भी दिखा रहे हैं। अगर किसी को पता चलता है कि उसका प्रियजन अस्पताल में इलाज करा रहा है, तो हम उसे संबंधित अस्पताल ले जाते हैं। यदि वे किसी की पहचान करते हैं, तो हम उन्हें सभी सहायता प्रदान करते हैं।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा, पीड़ितों के रिश्तेदारों के रहने की व्यवस्था भी की गई है।

मालगाड़ी से न टकराती तो भी पटरी से उतर जाती कोरोमंडल एक्सप्रेस : विशेषज्ञ

कोलकाता, 05 जून (एजेन्सी)। शालीमार से चेन्नई जाने वाली कोरोमंडल एक्सप्रेस शुक्रवार शाम ओडिशा के बालासोर के पास बहानागा बाजार स्टेशन पर मालगाड़ी से न टकराई होती तो भी पटरी से उतर जाती।

रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, ट्रेन किसी भी हालत में 127 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से क्रॉसओवर को लूप लाइन में नहीं ले जा सकती थी। मरने वालों की संख्या भले ही कम होती, लेकिन तब भी बड़े पैमाने पर जनहानि होती। कोरोमंडल एक्सप्रेस के पिछले डिब्बों ने शुक्रवार की को 100 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से चलने वाली यशवंतपुर-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस को टक्कर मार दी।

ट्रेनों को क्रॉसओवर को 30 किमी प्रति घंटे की गति से पार करना चाहिए। सबसे अच्छा, एक ट्रेन क्रॉसओवर को सुरक्षित रूप से बना सकती है, यदि यह 40-45 किमी प्रति घंटे की गति से यात्रा कर रही है। 127 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से यह असंभव होता। ट्रेन कपलिंग द्वारा एक दूसरे से जुड़े डिब्बों की एक संरचना है। एक क्रॉसपूल प्रभाव होता। प्रत्येक को मुड़ने के लिए समय चाहिए।

एक वरिष्ठ रेलवे इंजीनियर ने कहा, शुक्रवार की दुर्घटना दोनों टक्कर और लूप लाइन की ओर अचानक मोड़ का एक संयोजन था। अगर टक्कर नहीं हुई होती, तो भी ट्रेन पटरी से उतर जाती और डिब्बे बिखर जाते।

अब यह पुष्टि हो गई है कि मालगाड़ी के लूप लाइन में प्रवेश करने के बाद 'ख़वाइंट' या 'स्विच' (जहां दूसरे ट्रैक पर क्रॉसओवर हुआ) 'रिवर्स' स्थिति में रहा। आदर्श रूप से, कोरोमंडल एक्सप्रेस को मुख्य लाइन लेने की अनुमति देने के लिए इसे सामान्य स्थिति में ले जाना चाहिए था। ऐसा नहीं हुआ, फिर भी सिग्नलिंग टीम को एक पुष्टिकरण प्राप्त हुआ और सभी सिग्नलों को 'ऑफ' या ग्रीन कर दिया गया।

सवाल यह उठता है कि यदि बिंदु को अपनी सामान्य स्थिति में रीसेट नहीं किया गया, तो विफल-सुरक्षित सिग्नल हरे रंग में क्यों बदल जाएंगे? क्या रिले के साथ कोई समस्या थी (उनमें से सैकड़ों हैं) या किसी ने सिस्टम को चालू करने के लिए ओवरराइड किया था फेल-सेफ सिस्टम के तहत, इंटरलॉकिंग सिस्टम में खराबी का हल्का संकेत होने पर भी सिग्नल हमेशा लाल हो जाता है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सीबीआई जांच की सिफारिश की है। यह पता लगाना चाहिए कि वास्तव में क्या हुआ था। मुझे उम्मीद है कि तकनीकी रूप से सक्षम लोगों की सहायता ली जाएगी। इस मामले में रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) की जांच वांछित नहीं है। दूसरे अधिकारी ने कहा, आखिरकार, सीआरएस खुद एक रेलवे अधिकारी है और तटस्थता का आश्वासन नहीं दिया जा सकता है। इस मामले में घोर लापरवाही हुई है और इसमें शामिल लोगों को दंडित करने की आवश्यकता है। अतीत में, गैसल और कालूबथन दुर्घटनाओं के बाद न्यायिक जांच हुई है।

आपदा में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए मदद का आश्वासन मिलने के बावजूद बालासोर, भुवनेश्वर और कटक के अस्पतालों के ब्लड बैंकों के बाहर लंबी कतारें देखी गईं, जहां घायलों को इलाज के लिए ले जाया गया है।

एक व्यापारी अमित मोहंती ने कहा, मैं लगभग 50 किमी की यात्रा करके बालासोर गया क्योंकि मैं मदद करना चाहता था। मैं अब रक्तदान करने के लिए कतार में खड़ा हूं। अगर डॉक्टर ऐसा कहते हैं तो मैं कोई अन्य सहायता प्रदान करूंगा। बहनागा बाजार के पास एक गांव के निवासी श्रीकांत ने उनके बगल में खड़े होकर बताया कि कितने लोग दुर्घटना के बाद 36 घंटे से अधिक समय तक पीड़ितों की सहायता करते हुए सोए नहीं थे।

हम दुर्घटना के 15 मिनट बाद मौके पर पहुंचे। चारों तरफ मौत और विनाश था। लोग मृत पड़े थे और हमें सावधान रहना था कि कटे हुए अंगों पर पैर न रखें। यह अंधेरा था और हमने खींचने के लिए बिजली की मशालों और मोटरसाइकिल की हेडलाइट्स का इस्तेमाल किया। क्षतिग्रस्त डिब्बों से लोगों को बाहर निकाला। कई गंभीर रूप से घायल हो गए।

सौभाग्य से, रेलवे ने काफी तेजी से प्रतिक्रिया की और राहत ट्रेनें पुरुषों और सामग्री के साथ पहुंचीं। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमें भी पहुंचने लगीं और एक उचित निकासी प्रक्रिया शुरू की गई। कई यात्रियों के साथ श्रीकांत ने कहा कि गंभीर रूप से प्रभावित लोगों की मदद के लिए मामूली चोटें भी आईं।

बैरकपुर, उत्तर 24-परगना, पश्चिम बंगाल में रामकृष्ण विवेकानंद मिशन जैसे संगठनों ने भी आश्वासन दिया है कि वह दुर्घटना के कारण अनाथ हुए बच्चों की सारी जिम्मेदारी लेगा। मिशन के स्वामी नित्यरूपानंद ने ट्वीट किया, आपदा से प्रभावित गरीब परिवारों के बच्चों का भी ध्यान रखा जाएगा।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR DWARKA MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:10 DrawDate on:05/06/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 81K 00893
Cons. Prize ₹1000/- 00893 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
01010 05631 13383 17489 47402 68113 85049 85953 87317 96114
3rd Prize ₹450/-
0536 1052 2513 2637 3425 4689 5182 7101 7922 8451
4th Prize ₹250/-
0739 1873 3241 3753 4922 5968 7187 7711 8123 8584
5th Prize ₹120/-
0051 0146 0215 0291 0325 0364 0694 0768 1137 1140
1167 1173 1317 1509 1944 1954 1969 2141 2277 2366
2855 3079 3415 3476 3510 3667 3676 3690 3750 4017
4040 4291 4427 4447 4526 4529 4545 4613 4683 4688
4791 4905 4985 5034 5055 5078 5079 5134 5161 5216
5262 5304 5322 5333 5336 5437 5462 5571 5622 5677
5812 5916 5966 6235 6771 6873 6878 6879 6911 6935
7047 7393 7401 7630 7639 7640 7701 7733 7929 7968
8040 8170 8182 8201 8521 8613 8637 8839 8861 8909
8958 8973 9001 9419 9424 9593 9821 9839 9893 9929
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR DESERT MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:10 DrawDate on:05/06/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 96B 86572
Cons. Prize ₹1000/- 86572 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
02914 40922 41629 42864 45478 50096 83498 87130 92126 93273
3rd Prize ₹450/-
1370 2380 3410 4223 5454 5741 6548 7099 8402 9244
4th Prize ₹250/-
1395 1999 4693 5043 5071 6477 7227 7696 8741 8818
5th Prize ₹120/-
0064 0095 0123 0178 0269 0392 0422 0426 0428 0489
0527 0649 0689 0729 0937 0969 1043 1079 1173 1186
1193 1359 1606 1740 2013 2097 2150 2193 2384 2481
2836 2901 2984 3115 3117 3166 3281 3284 3578 3636
3840 3876 4403 4482 4603 4612 4695 4831 4851 4877
4953 5096 5106 5481 5485 5642 5682 5911 5954 5978
6427 6469 6470 6608 6913 7010 7101 7174 7187 7425
7429 7523 7600 7615 7760 7792 7814 7820 7916 8109
8114 8143 8144 8201 8373 8439 8487 8647 8711 8846
8961 8996 9125 9254 9385 9574 9726 9823 9897 9964
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR FINCH MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:10 DrawDate on:05/06/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 44B 83163
Cons. Prize ₹1000/- 83163 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
05654 09951 13129 18450 29556 53241 62612 64093 67391 90080
3rd Prize ₹450/-
0443 2089 2938 3416 4767 5443 6528 7937 8390 9089
4th Prize ₹250/-
1357 1601 4016 4247 5949 5957 6397 7008 8990 9536
5th Prize ₹120/-
0137 0241 0321 0448 0500 0601 0671 0692 0742 0785
0788 0790 0824 1375 1679 1701 1753 1841 1853 1973
2021 2063 2515 2537 2583 2704 2803 2845 2849 3092
3167 3217 3388 3389 3430 3461 3556 3577 3892 3897
4000 4003 4099 4214 4272 4392 4456 4495 4711 4715
4788 4793 4991 5086 5250 5338 5421 5449 5470 5490
5547 5937 5950 6051 6158 6440 6548 6600 6610 6670
6827 6865 6907 6929 6952 7084 7126 7298 7347 7420
7643 7824 7881 7886 8025 8065 8165 8186 8522 8662
9005 9183 9229 9294 9309 9593 9645 9812 9820 9903
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

कैसे सेफ हो रेल यात्रा?

ओडिशा के बालासोर में शुक्रवार शाम को हुई ट्रेन दुर्घटना ने पूरे देश को सकते में डाल दिया है। देश के इतिहास के सबसे भीषण रेल हादसों में शामिल की जा रही इस घटना में तीन ट्रेनें एक-दूसरे से टकराई हैं। पहले कोरोमंडल एक्सप्रेस गलत ट्रैक पर आकर वहां खड़ी मालगाड़ी से टकराई, जिससे उसके कई डब्बे पटरी से उतर कर दूसरी ट्रैक पर चले गए। वहां दूसरी तरफ से आ रही बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस इन डब्बों पर चढ़ गई। हताहतों की बड़ी संख्या के अलावा दुर्घटना की इस प्रकृति ने भी आम जनमानस को झकझोर कर रख दिया है।

भारतीय रेलवे रोज औसतन सवा करोड़ से ज्यादा लोगों को मंजिल तक पहुंचाती है। ऐसे में इस तरह की दुर्घटना उनके मन में रेलवे सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल पैदा कर सकती है। फिलहाल सरकार का पूरा ध्यान राहत कार्य और दुर्घटना में घायल हुए लोगों के इलाज पर है, जो ठीक भी है। इस संदर्भ में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की प्रतिक्रिया खास तौर पर ध्यान देने लायक है, जिसने इस दुर्घटना से जुड़े असुविधाजनक सवालों को यह कहकर स्थगित रखा है कि फिलहाल सर्वोच्च प्राथमिकता राहत और बचाव कार्यों को दिया जाना चाहिए।

मगर यह बात भी सही है कि नीतिगत और व्यवस्थागत खामियों की ओर ध्यान दिलाने का भी यही वक्त होता है, जब आम लोग उन सवालों के जवाब जानना चाहते हैं, जिन्हें सामान्य दिनों में एक्सपर्ट्स के सोचने-समझने वाले तकनीकी विषय मानकर छोड़ दिया जाता है। इस लिहाज से देखा जाए तो हाल के दिनों में पब्लिक परसेप्शन यह बना है कि सरकार स्पीड बढ़ाने और नई-नई ट्रेनें शुरू करने पर जितना ध्यान दे रही है, उतना कमजोर और पुराने पड़ते इन्फ्रास्ट्रक्चर को दुरुस्त करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर नहीं दिया जा रहा। हालांकि रेलवे डिपार्टमेंट आंकड़ों के जरिए इस धारणा का खंडन करता है। उसके मुताबिक 2017-18 में एक लाख करोड़ रुपये का पंचवर्षीय सुरक्षा कोष बनाया गया था, जिसे 2022-23 में 45000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त रकम के साथ एक्टसटेंड कर दिया गया।

उसका यह भी कहना है कि रेल यात्रा की सुरक्षा के पहलू पर लगातार काम करते रहने के ही कारण इस मोर्चे पर स्थिति में सुधार देखा जा रहा है। 2013-14 में प्रति दस लाख किलोमीटर पर 0.10 दुर्घटना की औसत संख्या 2022-23 तक और कम होकर 0.03 पर आ गई थी। लेकिन शुक्रवार की दुर्घटना का सबक यह है कि ऐसे एकाध हादसे भी रेल यात्रा की सुरक्षा को लेकर आम लोगों के मन में वैसी आशंका पैदा कर सकते हैं, जो ऐसे दर्जनों आंकड़ों से दूर नहीं की जा सकती। इसलिए इस दुर्घटना के कारणों की तह तक जाकर उन्हें दूर करने के कारगर उपाय भी लोगों की नजर में लाए जाने चाहिए।

टूटा भरोसे का 'कवच'

विनीत नारायण

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बालासोर के बेहद खौफनाक रेल हादसे के एक दिन पहले टीवी के जरिए जनता को बताया था कि मोदी सरकार ने भारतीय रेल का कायाकल्प कर दिया है।

उन्होंने यह भी दावा किया था कि ट्रेन दुर्घटनाओं को टालने के लिए मोदी सरकार ने विश्व की सबसे आधुनिक सुरक्षा प्रणाली कवच को लागू कर दिया है। हकीकत यह है कि इस तकनीक को लागू करने का फैसला मनमोहन सिंह सरकार ने 2012 में ले लिया था। तब इसका नाम ट्रैफिक कोलिजन अवायडेंस सिस्टम था। पुरानी योजनाओं के नाम बदल कर उन्हें अपनी नई योजना बताकर लागू करने में माहिर भाजपा सरकार ने 2022 में उसी योजना को कवच के नाम से लागू किया था। प्रश्न है कि पिछले नौ वर्ष से केंद्र सरकार इस सुरक्षा प्रणाली पर कुंडली मारे क्यों बैठी थी?

कवच वह तकनीक है, जिसे लागू करने के बाद पटरियों पर दौड़ती रेलगाड़ी किसी दुर्घटना के अंदेशे से 400 मीटर पहले ही अपने आप रुक जाती है। शुरू में इसे दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा के रूट पर लागू किया गया और दावा किया गया कि मोदी सरकार के मिशन रफ्तार के तहत 160 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ने वाली रेलगाड़ी अपने आप रु क जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस तकनीक का परीक्षण करने के लिए रेल मंत्री अनि वैष्णव ने अपनी जान को जोखिम में डाला और पिछले साल मार्च में सकिंदराबाद में इंजन ड्राईवर के साथ बैठे और इस तकनीक का सफल परीक्षण किया जिसमें आमने-सामने से आतीं दो रेलगाड़ियों पर इसे परखा गया था।

रेल मंत्री ने बालासोर के दुखद हादसे से कुछ घंटे पहले ही दिल्ली में रेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए कवच के परीक्षण का विडियो भी दिखाया था। उन्होंने रेल अधिकारियों से सभी प्रमुख रेलगाड़ियों की गति को 160 किलोमीटर तक बढ़ाने की अपील की जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मिशन रफ्तार गति पकड़ सके। पर अनहोनी को कौन टाल सकता है? बालासोर में जो हादसा हुआ उसमें एक नहीं, तीन-तीन ट्रेनें आपस में भिड़ीं। ऐसा हादसा दुनिया की रेल दुर्घटनाओं में होने वाले हादसों में शायद पहले कभी नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि इस रूट पर कवच को अभी लागू नहीं किया गया था। इस हादसे में सैकड़ों लोग अकाल मृत्यु को प्राप्त हुए और हजार से ज्यादा गंभीर रूप से घायल हुए। राहत एवं बचाव कार्य करने वाले लोग दुर्घटना स्थल को देखकर दहल गए क्योंकि उनके सामने चारों तरफ लाशों का अंबार लगा था। रेलगाड़ी की कई बोगियां तो पूरी तरह पलट गई, जिनके पहिए ऊपर और छत जमीन पर आ गई थी।

काल के आगे किसी का बस नहीं चलता। कहते हैं कि जिसने जन्म लिया है, उसकी मृत्यु की घड़ी भी पूर्व निर्धारित होती है। इसलिए जिन परिवारों ने अपनों को खो दिया है, उनके प्रति पूरे देश की सहानुभूति है। सरकार से उम्मीद है कि वह जो भी कर सके वो सब इन परिवारों के लिए करे। मगर यहां एक गंभीर प्रश्न खड़ा होता है कि क्या हम रेल यात्रा के मामले में अपनी क्षमता से अधिक हासिल करने का प्रयास तो नहीं कर रहे? 11 करोड़ लोग भारतीय रेल में सफर करते हैं।

मालगाड़ी की जगह यात्री सेवाओं पर कहीं ज्यादा खर्च आता है क्योंकि यात्रियों की अपेक्षाएं बहुत ज्यादा होती हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि संपन्न वर्ग अब रेल यात्रा की जगह हवाई यात्रा को प्राथमिकता देता है जबकि आम आदमी विशेषकर मजदूर वर्ग के लिए रेल यात्रा ही एकमात्र विकल्प है। काम की तलाश में मजदूर देश के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में आते-जाते रहते हैं। इन्हें 5 सितारा चमक-धमक की बजाय पेयजल, शौचालय और वेटिंग हाल जैसी बुनियादी सुविधाओं से ही संतोष हो जाता है।

ऐसे में सरकार का रेलवे स्टेशनों और रेलगाड़ियों को 5 सितारा संस्कृति से सुसज्जित करना बड़ी प्राथमिकता नहीं होना चाहिए। अभी तो देश को अपने सीमित संसाधनों को आम जनता के स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च करने की जरूरत है। मोदी जी हमेशा बड़े सपने देखते हैं। मिशन रफ्तार को सभी प्रमुख रेलगाड़ियों पर लागू करना चाहते हैं। सत्ता में आते ही उन्होंने बुलट ट्रेन का भी सपना दिखाया था जो अभी धरातल पर नहीं उतर पाया है। हमारे देश की जमीनी हकीकत यह है कि हम जापान और चीन की तरह न तो अपने कार्य के प्रति ईमानदारी से समर्पित हैं, और न ही अनुशासित हैं। परिणामत: सरकार की तमाम महत्त्वाकांक्षी योजनाएं लागू होने से पहले ही विफल हो जाती हैं।

यहां अगर उज्जैन के महाकाल का उदाहरण लें तो अनुचित न होगा। छह महीने पहले 856 करोड़ रुपये से हुआ मंदिर का सौंदर्यीकरण एक ही आंधी में धराशायी हो गया। ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जब मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए बड़ी-बड़ी योजनाओं को जल्दबाजी में, बिना गुणवत्ता का ध्यान रखे, लागू किया गया और वे जल्दी ही अपनी अकुशलता का सबूत देने लगीं। इसलिए रेल विभाग को नई तकनीकी और 5 सितारा संस्कृति अपनाने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। ऐसा न हो आधी छोड़ सारी को धावे, आधी मिले न पूरी पावे।

अंतिम प्रश्न है कि क्या रेल मंत्री अनि वैष्णव को 1956 में तत्कालीन रेल मंत्री लाल बहादुर शास्त्री का अनुसरण करते हुए बालासोर की दुखद दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए और विपक्ष की मांग का सम्मान करते हुए अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए? मैं इसका समर्थक नहीं हूं क्योंकि आज की राजनीति में न तो राजनीतिज्ञों के नैतिक मूल्यों का शास्त्री जी के समय जैसा उच्च नैतिक स्तर बचा है, और न ही ऐसे इस्तीफों से किसी मंत्रालय की दशा सुधरती है।

बजाय इस्तीफा मांगने के मैं रेल मंत्री को सुझाव देना चाहता हूं कि अपनी प्राथमिकताओं, क्षमताओं, उपलब्ध संसाधनों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के करोड़ों रेलयात्रियों की सुविधा का ध्यान रखकर निर्णय लें। जो मौजूदा ढांचा रेल मंत्रालय का है, उसमें यथासंभव सुधार की कोशिश करें और अपने विभाग से भ्रष्टाचार को खत्म करें और कार्यकुशलता को बढ़ाएं। वही बालासोर के हादसे में मारे गए रेलयात्रियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

आर्थिक विकास से मानव विकास

संतोष मेहरोत्रा

भारतीय अर्थव्यवस्था 2016 से आर्थिक विकास में मंदी और बढ़ती शिक्षित बेरोजगारी के साथ एक महत्वपूर्ण चरण से गुजर रही है।

2004 से 2014 तक विकास दर भारत के आधुनिक आर्थिक इतिहास में सबसे अधिक थी। रोजगार में संरचनात्मक परिवर्तन, जो 2004 से शुरू हुआ था, के कारण कृषि में मशीनीकरण बढ़ा, निर्माण क्षेत्र में उछाल आया, गैर-कृषि नौकरी में उच्च वृद्धि हुई (2004-05 के बाद से 75 लाख प्रति वर्ष), वास्तविक मजदूरी दर बढ़ी, गरीबी में कमी आई ।

परंतु 2016 की नोटबंदी के बाद से वर्ष 2019 तक आर्थिक विकास दर घटती चली गई। फिर कोविड महामारी के दौरान अर्थव्यवस्था में दशकों बाद भारी संकुचन हुआ। वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां 3.1 फीसदी का संकुचन हुआ, वहीं 2020-21 में भारत की जीडीपी में 6.6 फीसदी की कमी हुई। हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था में उसके बाद सुधार हुआ है, लेकिन नियमित, अनौपचारिक, औपचारिक नौकरियों, मजदूरी दर और गरीबों की आजीविका पर जो हानिकारक असर पड़े, उनमें सुधार नहीं हुआ है। अमीर और अमीर होते जा रहे हैं तथा गरीब लोग और भी गरीब। लोग वास्तविक वेतन वृद्धि का अनुभव नहीं कर पा रहे हैं।

आर्थिक विकास और मानव विकास के बीच पारस्परिक संबंध होता है। हाल के शोध में हमने पाया कि भारत में जो राज्य 1993 से 2018 के बीच प्रांतीय जीडीपी की उच्च वृद्धि को बनाए रख सके, वे मानव विकास में अपेक्षाकृत उन्नत थे। उनकी जीडीपी प्रतिवर्ष सात फीसदी से अधिक दर से बढ़ी। इनमें केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा शामिल हैं। ये राज्य शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों पर जीडीपी का काफी अधिक हिस्सा खर्च कर रहे थे, जो उनके स्वास्थ्य और शिक्षा परिणाम संकेतकों से परिलक्षित होता है।

इसके विपरीत, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में पिछले ढाई दशकों के दौरान औसतन मात्र पांच फीसदी प्रति वर्ष जीडीपी की वृद्धि दर्ज की गई। ये वे राज्य हैं, जहां गरीबी, कुपोषण और शिशु मृत्यु दर बहुत अधिक है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) में पाया गया कि इन पिछड़े राज्यों में गंभीर रूप से नाटे बच्चों का अनुपात बढ़ गया है। इसके अलावा, इन राज्यों में स्कूली शिक्षा का औसत वर्ष भी बहुत निम्न स्तर का है, जिसमें पिछले दो दशकों के दौरान ज्यादा सुधार नहीं हुआ है। इनमें गरीबी का अनुपात भी दक्षिणी राज्यों से अधिक है।

ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि गरीबी की कमी से न केवल लोगों के जीवन स्तर में सुधार होता है, बल्कि उनके परिवार के खर्च करने की क्षमता भी बढ़ती है। इसलिए गरीबी में कमी से वस्तुओं और सेवाओं की मांग बढ़ती है, जिससे उत्पादन में वृद्धि की संभावना होती है। विकास दर बढ़ने से शिक्षा और स्वास्थ्य पर सार्वजनिक और निजी खर्च बढ़ता है। जिसका मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) के विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बढ़ती आय परिवारों को स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा पर खर्च करने में सक्षम बनाती है।

प्रत्येक राज्य सरकार को आर्थिक विकास, गरीबी में कमी, और मानव क्षमताओं में सुधार (शिक्षा और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार) के बीच इन तीन-तरफा संबंधों के बारे में गंभीरता से सोचने की आवश्यकता है। हमारा शोध साबित करता है कि गरीबी में कमी और मानव विकास में सुधार, दोनों ही भारतीय राज्यों में आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए पूर्व शर्त हैं, क्योंकि गरीबी में कमी के साथ बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य के अलावा आर्थिक विकास का एक फीडबैक लूप है।

यही कारण है कि दक्षिण के कुछ राज्यों ने अपनी अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर औसतन सात फीसदी सालाना के करीब दर्ज करके लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि कई अन्य राज्य पांच प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखने में भी पूरी तरह विफल रहे हैं।

अर्थव्ययवस्था में बढ़ोतरी का जोरदार संकेत

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल में जहां 31 मई को सरकार द्वारा प्रकाशित सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 में देश की विकास दर अनुमानों से अधिक 7.2 फीसदी रही है, वहीं एक जून को प्रकाशित अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के अहम आंकड़ों ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भी अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी का जोरदार संकेत देते हुए विकास दर के 6.5 फीसदी रहने की संभावनाओं को आगे बढ़ाया है।

गौरतलब है कि पिछले माह मई, 2023 में वस्तु एवं सेवा कर, विनिर्माण के लिए पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स, यात्री वाहनों की बिक्री और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस के जरिए हुए लेन देन में प्रभावी वृद्धि पाई गई है। यदि हम आंकड़ों की और देखें तो पाते हैं कि मई, 2023 में जीएसटी संग्रह मई, 2022 के मुकाबले 12 फीसदी बढ़कर 1.57 लाख करोड़ रु पये रहा। उत्पादन में तेजी के कारण मई में पीएमआई 58.7 पर पहुंच गया। पिछले 31 महीनों में पीएमआई का यह सबसे ऊंचा स्तर है। मई, 2023 में यात्री वाहन उद्योग भी तेजी से आगे बढ़ा। यात्री वाहनों की बिक्री भी मई, 2022 के मुकाबले 13.5 फीसदी बढ़कर 3,34,802 इकाई हो गई।

इसी तरह मई में यूपीआई लेन देन ने भी रिकॉर्ड बना दिया। इस महीने में 14.3 लाख करोड़ रुपये के लेन देन हुए। मई, 2023 में कुल 941 करोड़ यूपीआई लेन देन थे, जो मई, 2022 से 6 फीसदी अधिक रहे। ऐसे में चालू वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी और आर्थिक वृद्धि के अनुमान बढ़ गए हैं। निश्चित रूप से हाल में प्रकाशित उत्साहवर्धक आर्थिक आंकड़ों से देश की वैश्विक क्रेडिट रेटिंग भी बढ़ेगी। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि विभिन्न वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत की अनुकूल क्रेडिट रेटिंग का परिदृश्य है। 18 मई को दुनिया की प्रमुख अमेरिका की एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने भारत की सॉवरिन रेटिंग स्थिर परिदृश्य के साथ दीर्घावधि के लिए बीबीबी- और कम अवधि के लिए -3 रखी है। यह परिदृश्य बताता है कि भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था और राजस्व में अच्छी वृद्धि राजकोष को मजबूती प्रदान करेगी।

गौरतलब है कि 11 मई को प्रमुख वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा है कि इस वित्तीय वर्ष 2023-24 में चुनौतीपूर्ण वैश्विक वित्तीय स्थिति के बावजूद भारत वैश्विक आर्थिक झटकों को इसलिए सरलतापूर्वक झेल जाएगा क्योंकि भारत के चालू खाते के घाटे (सीएडी) में सुधार हुआ है। चालू खाते का घाटा कम अवधि की प्रमुख विदेशी देनदारी के रूप में पहचाना जाता है। इससे विनिमय दर और विदेशी निवेशकों की धारणा प्रभावित होती है। इसी प्रकार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में भी कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बीच भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन दुनिया में भारत की अहमियत को बढ़ा रहा है। वर्ष 2023 में कुल वैश्विक विकास में भारत 15 फीसदी से भी अधिक का योगदान देगा।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत का बढ़ता विदेश व्यापार और बढ़ता निर्यात भारत की वैश्विक क्रेडिट रेटिंग को संतोषप्रद बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रहा है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिवद्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की आर्थिक अस्थिरताओं के बावजूद वित्त वर्ष 2022-23 में भारत का विदेश व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचते हुए 1.6 लाख करोड़ डॉलर मूल्य की ऊंचाई पर रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का विदेश व्यापार 1.43 लाख करोड़ डॉलर रहा था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का विदेश व्यापार पिछले वर्ष के विदेश व्यापार से और अधिक ऊंचाई पर पहुंच सकता है।

निस्संदेह बढ़ते वैश्विक खाद्यान्न संकट के बीच भारत में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और खाद्यान्न का बढ़ता निर्यात भारत की दुनिया में आर्थिक और मानवीय साख बढ़ा रहा है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक सरकार ने वर्ष 2021-22 में 50 अरब डॉलर से अधिक का कृषि निर्यात किया है, वह वर्ष 2022-23 में 56 अरब डॉलर से अधिक की ऊंचाई पर है तथा अब नई विदेश व्यापार नीति से कृषि निर्यात नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचेगा। वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन द्वारा प्रकाशित वैश्विक कृषि व्यापार में रु झान रिपोर्ट 2021 के मुताबिक दुनिया में कृषि निर्यात में भारत ने नौवां स्थान हासिल किया है। लेकिन अभी भी वैश्विक क्रेडिट रेटिंग सुधारने और चालू वित्त वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर को ऊंचाई देने के लिए कई बातों पर ध्यान देना जरूरी है। इस वर्ष 2023 में जी-20 की अध्यक्षता की कमान रखते हुए भारत को मेक इन इंडिया और मेक फॉर ग्लोबल की डगर पर तेजी से आगे बढ़ना होगा। देश के दुनिया का नया आपूर्ति केंद्र बनने, अधिक विदेशी निवेश और अधिक निर्यात की संभावनाएं भुनानी होंगी।

प्लास्टिक में डूब रहा है समुद्र

अनिल प्रकाश जोशी

पृथ्वी का दो तिहाई हिस्सा समुद्र भी हमारा साथ छोड़ने को तैयार है, क्योंकि हमने समुद्रों को प्लास्टिक से पाट दिया है। यदि सैकड़ों खरब प्लास्टिक के टुकड़े समुद्र की सतह पर तैर रहे हों, तो जाहिर-सी बात है कि समुद्र पानी का नहीं, बल्कि प्लास्टिक का ही कहलाएगा। दुनिया में आज करीब 40 प्रतिशत समुद्र किसी न किसी तरह से प्लास्टिक की चपेट में आ चुका है और माना जा रहा है कि अगर यही गति रही, तो 2050 तक मछलियों से ज्यादा समुद्र में प्लास्टिक रहेगा।

प्लास्टिक प्रदूषण ने समुद्र में जो कुछ भी किया है, उसका दंड तो हमें कल भोगना ही पड़ेगा। हमारी इस तरह की गतिविधियों से समुद्र भी 0.6 डिग्री ज्यादा गर्म हो चुका है, जिससे 20 प्रतिशत समुद्री जीवन संकट में है। समुद्र के 30 प्रतिशत हिस्से में अम्ल (एसिड) की मात्रा ज्यादा हो चुकी है। यदि यही हाल रहा, तो समुद्र का तापमान एक डिग्री सेंटीग्रेड से ज्यादा हो जाएगा। ऐसे में हम एक बड़े प्राकृतिक कहर की चपेट में आ जाएंगे।

दुनिया में वेट बल्ब टेंपरेचर से उमस बढ़ती है। 32 डिग्री सेंटीग्रेड तक तापमान को सामान्य वेट बल्ब टेंपरेचर माना जाता है। लेकिन समुद्री प्रदूषण बढ़ने से उसमें भारी बढ़ोतरी हो सकती है। करीब 35 डिग्री सेंटीग्रेड वेट बल्ब टेंपरेचर सबके लिए कष्टकारी होगा, जिससे जीवन समाप्त हो जाएगा। यह माना जा रहा है कि 269 हजार टन प्लास्टिक समुद्र में तैर रहा है और करीब चार अरब माइक्रो फाइबर प्रति वर्ग किलोमीटर समुद्र में अपनी जगह बना चुका है। दुनिया का करीब 70 फीसदी प्लास्टिक कचरा समुद्र में ही जाता है। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो दुनिया के लिए सबसे बड़ा संकट पैदा हो जाएगा। वैसे भी पर्यावरणीय शोध हमारे पक्ष में नहीं है। इसका पहला और सबसे बड़ा खतरा तो आज उस जीवन पर है, जो समुद्र में पनपता है। हजारों तरह के समुद्री पक्षी आज खतरे में आ चुके हैं और प्लास्टिक के कारण समुद्री कछुए, सील्स और स्तनपायी जीव विलुप्ति के कगार पर चले गए हैं। असल में ये सब लगातार समुद्र में फैले प्लास्टिक कचरा खाकर मृत्यु से जूझ रहे हैं।

इनमें ऐसी भी कई प्रजातियां हैं, जो पहले ही खतरे के निशान को पार कर चुकी थीं, जिसमें हवाईयन मौंक, पेसिफिक लॉगरहेड जैसे कछुए आते हैं। करीब 700 ऐसी प्रजातियां हैं, जिनका अस्तित्व प्लास्टिक कचरा खाने के कारण खतरे में पड़ चुका है। इन प्रजातियों का भी समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के नियंत्रण में महत्वपूर्ण योगदान है।

चाहे सिंगल यूज प्लास्टिक हो या किसी अन्य प्रकार का, समुद्र के पानी में मिलकर वह माइक्रो प्लास्टिक फाइबर में बदल जाता है और समुद्री जीव उसे अपना भोजन समझकर खा लेते हैं। इस शताब्दी के पहले दशक में हमने सबसे ज्यादा प्लास्टिक समुद्र में डाला है और अब भी प्रति वर्ष हम सैकड़ों अरब पाउंड प्लास्टिक कचरा समुद्र में फेंक रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार, प्लास्टिक के करीब 150 से 510 खरब टुकड़े समुद्रों में तैर रहे हैं। देखा जाए, तो इक्वेटर से लेकर पोल्स तक और आर्कटिक समुद्र से लेकर समुद्री तटों तक आज हर जगह ख़लास्टिक विद्यमान हैं।

प्लास्टिक का सीधा असर समुद्र और समुद्री जीवों पर पड़ा है। इसके बावजूद जीवाश्म ईंधन उद्योग, जो प्लास्टिक उत्पाद में बड़ी भूमिका निभाता है, अगले दशक में 40 प्रतिशत ज्यादा उत्पादन करने का मन बनाए हुए है। ऐसा होने पर न केवल समुद्री प्रदूषण बढ़ेगा, बल्कि प्लास्टिक के कारण जहरीला वायु प्रदूषण भी बढ़ेगा और समुद्र से जुड़े लोगों के अस्तित्व पर खतरा उत्पन्न हो जाएगा। प्लास्टिक प्रदूषण की इस महामारी को रोकना आज सबसे बड़ी जरूरत है।

पृथ्वी से लेकर समुद्र तक आज प्लास्टिक प्रदूषण कहर बरपा रहा है। इसमें सबसे ज्यादा ग्रेट पेसिफिक गार्बेज पैच, जो प्रशांत महासागर में बन चुका है, वह सबसे बड़ी चर्चा का विषय है। यहां जिस तरह से प्लास्टिक ने बहुत ज्यादा जगह घेर रखी है, उसने बहुत से जीवन को लीलना शुरू कर दिया है। प्रशांत महासागर में करीब 12,000 से 24,000 टन प्लास्टिक हर वर्ष जाता है। यह न केवल समुद्री जीवों की खाद्य शृंखला का हिस्सा बन गया है, बल्कि उन पर निर्भर मनुष्यों के लिए भी खतरा पैदा कर रहा है। वे भी प्लास्टिक प्रदूषण का शिकार बन रहे हैं।

एक अध्ययन में पाया गया है कि कैलिफोर्निया के बाजार में बिकने वाली मछलियों की आंतों में बहुत ज्यादा ख़लास्टिक के माइक्रोफाइबर्स पाए गए। इसी तरह समुद्री कछुआ, जो प्लास्टिक के कचरे में तैरता रहता है, उसे ही भोजन समझ कर अपनी आंतों को बर्बाद कर रहा है। लगातार प्लास्टिक के उपयोग से वह एक बड़े संकट में फंस चुका है। हजारों समुद्री पक्षी, जो कि प्लास्टिक को ही भोजन समझकर खाते हैं, वे भी आज एक बड़े खतरे में फंसे हैं।

हेयर स्पा बालों में डाले जान

प्रदूषण, धूल-मिट्टी और तनाव बालों की जडों को नुकसान पहुंचाते हैं और बाल बेजान होने लगते हैं। ऐसे में जब बालों की देखभाल ठीक से नहीं होती तो उनसे संबंधित तमाम समस्याएं पैदा हो जाती हैं मसलन डैंड्रफ, बालों का गिरना, बेजान और दोमुंहे होना। जिस प्रकार त्वचा को पोषण देने के लिए क्लींजिंग, टोनिंग, मॉयस्चराइजिंग और कंडिशनिंग की जरूरत होती है उसी प्रकार बालों को भी विशेष देखभाल की जरूरत होती है। दूसरी अहम बात है बालों के लिए उपयोगी और उचित हेयर केयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल। अलग-अलग प्रकार के बालों के लिए अलग तरह के हेयर प्रोडक्ट्स की जरूरत होती है। गलत प्रोडक्ट के इस्तेमाल से सिर की त्वचा और बालों को हानि पहुंच सकती है।

इसके अलावा बालों को नियमित रूप से साफ करना भी जरूरी है ताकि सिर की त्वचा पर जमा अतिरिक्त तेल और फॉलिकल्स साफ हो जाएं। मृत कोश भी निकल जाएं और बालों को विकसित होने के लिए जरूरी पोषण मिल सके। बालों से जुडी समस्याओं को दूर करने के लिए हेयर स्पा एक बेहतर और आधुनिक उपाय है।

हेयर स्पा

इसमें बालों से जुडी विभिन्न समस्याएं जैसे तैलीय बाल, डैंड्रफ, फंगल इन्फेक्शन, बालों का झडना, डीप स्टैंड कंडिशनिंग ट्रीटमेंट आदि का उपचार किया जाता है। बालों पर आपके खानपान का बहुत प्रभाव पडता है। हेयर स्पा ट्रीटमेंट के दौरान आपके दैनिक आहार पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

स्वस्थ बालों के लिए विटमिन ए, बी और सी के साथ कैल्शियम और कार्बोहाइड्रेट की विशेष जरूरत होती है और यह सभी आपके आहार में शामिल होना जरूरी है। हेयर स्पा ट्रीटमेंट बालों की किस्म को ध्यान में रखकर किया जाता है। किस तरह के बाल और किस समस्या को कैसे ट्रीटमेंट की जरूरत है यह एक्सपर्ट आपको पहले ही बता देते हैं। इसमें एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन स्कैल्प एनेलाइजर के जरिये सिर की त्वचा की जांच होती है, जिससे यह पता चल जाता है कि बालों की क्या समस्या है और सिर की त्वचा के पोर खुले हैं या बंद। साथ ही आपको कैसे ट्रीटमेंट की जरूरत है। इसके बाद डीप क्लींजिंग, हेयर पैक, हेयर ऑयल, सक्शन मशीन का इस्तेमाल किया जाता है। स्कैल्प एनेलाइजर की सहायता से यह जाना जाता है कि अगर फंगल इन्फेक्शन है तो वह किस तरफ ज्यादा है और डैंड्रफ रूखी है या तैलीय। कहीं आपको ज्यादा तनाव या सिरदर्द तो नहीं होता है, इन सभी बातों की सही-सही जानकारी एक्सपर्ट को देनी जरूरी होती है ताकि ट्रीटमेंट का पूरा लाभ मिल सके।

तरह-तरह के स्पा

बालों से जुडी हर प्रकार की समस्या को दूर करके उन्हें स्वस्थ और उनके टेक्सचर को मजबूत बनाती हैं। हर स्पा में अलग-अलग मसाज दी जाती है।

मॉयस्चराइजर बूस्ट

प्रदूषित वातावरण धूल-मिट्टी, खराब मौसम, ब्लो ड्रायर्स और स्ट्रेटनिंग प्रोडक्टस के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान को दूर करने के लिए मॉयस्चर बूस्ट हेयर थेरेपी का प्रयोग किया जाता है। इस थेरेपी में मिल्क प्रोटीन और पैंथेनॉल कॉम्प्लेक्स से युक्त प्रोडक्ट का प्रयोग किया जाता है, जो सिर की त्वचा को प्राकृतिक नमी भी प्रदान करता है और नमी के संतुलन को बनाने में मदद करता है।

एक्स्ट्रा केयर

को स्टाइल में रखना आज की जरूरत है। लेकिन स्टाइल के लिए बालों को तमाम रसायनों और तकनीकी प्रक्रियाओं से गुजरना पडता है, जो उन्हें कमजोर बना देते हैं। एक्स्ट्रा केयर हेयर स्पा ऐसे बेजान और कमजोर बालों को पोषण देने के लिए किया जाता है। यह प्रोटीन और सिलिकॉन ऑयल के नए मिश्रण से तैयार किया जाता है, जो बालों को मजबूत और चमकदार बनाने में मदद करता है।

स्मूद एंड सॉफ्ट

यह स्पा सिर की त्वचा को पोषण देकर उसे नर्म मुलायम बनाने के साथ ही बेजान बालों में जान डालता है। उनकी उलझन को आसानी से दूर करता है। यह बालों को मजबूत बनाता है।

डैंड्रफ कंट्रोल

अपने नाम के अनुसार यह स्पा डैंड्रफ की समस्या से निजात दिलाने में मदद करता है। इस थेरिपी में ऑक्टीपिरॉक्स मौजूद है जो रूसी से मुकाबला करने के लिए सबसे असरदायक होता है। इससे सिर की त्वचा लंबे समय तक स्वस्थ और साफ रहती है।

ग्रोथ एनहैंसिंग

यह स्पा बालों की जडों के मेटाबॉलिज्म को ऊर्जा प्रदान करता है और उसे संचालित करता है। जिससे बालों की ग्रोथ अच्छी होती है। साथ ही बालों के असमय सफेद होने की समस्या से भी बचाता है।

इस मौसम में मन को भाएं कॉटन साड़ियां

साड़ियां परंपरागत भारतीय परिधान है जो महिलाओं को सौम्य, सुंदर और शालीन छवि प्रदान करता है। बात गर्मियों की हो तो इस मौसम में कॉटन साड़ियों से बेहतर विकल्प नहीं। मार्केट में इन दिनों कॉटन साड़ियों की बेहतरीन वैरायटी मौजूद हैं

समर सीजन में हर महिला की यह चाहत होती है कि वह कुछ ऐसा पहनें जो उसे सौम्य और सुंदर दिखाने के साथ-साथ उसके लिए आरामदायक भी हो। इसलिए इस सीजन में कॉटन साड़ियों से बेस्ट कोई दूसरा ऑप्शन हो ही नहीं सकता। खासतौर से शादीशुदा महिलाएं, जो अमूमन साड़ियां पहनना ही पसं द करती हैं। ऐसे में आप एक बार कॉटन साड़ियों को जरूर ट्राई करें। इन दिनों मार्केट में काफी कलरफुल, कई वैरायटीज और प्रिंट्स में कॉटन साड़ियां मौजूद हैं। इन्हें पहनकर आप सिर्फ भीतरी ही नहीं बाहरी तौर पर भी कूल लगेंगी। फैशन डिजाइनर रीमा विस्तार से बता रही हैं कि कौन-सी साड़ियां इन दिनों ट्रेंड में बनी हुई हैं-

ऑरगेंडी साड़ियां

इस सीजन में आप एक बार प्लेन ऑरगेंडी साड़ियां पहन कर जरूर देंखें। लाइट मैटीरियल से बनी होने के कारण ये समर सीजन के लिए एकदम परफेक्ट हैं। वैसे ऑरगेंडी में प्लेन साड़ियों के लिए भी ढेरों ऑप्शन मौजूद हैं। यह कई सारे कलर और फैब्रिक में मार्केट में उपलब्ध है। डिजाइनर ऑरगेंडी साड़ी में बॉर्डर वाली साड़ी ट्राई करें, यह आपके लुक को सोबर और एलीगेंट बनाती है।

प्रिंटेड साड़ियां

डेली वियर और ऑफिस वियर के लिए प्रिं टेड क ॉ ट न साड़ियां भी काफी चलन में हैं। प्रिंटेड साड़ियों में आजकल कई वैरायटी मिलती है। खासकर दो शेड की कॉटन साड़ियां बेहतरीन लुक देती हैं। इसके अलावा प्लेन साड़ी में प्रिंटेड पल्ला भी आपको ग्रेसफुल लुक देता है।

तांत साड़ियां

पश्चिम बंगाल की तांत साड़ियां अपने ग्रेसफुल लुक, चौड़े और अट्रैक्टिव बॉर्डर, बूटीदार डिजाइंस की वजह से देशिवदेश में काफी पॉपुलर है। वैसे तो यह हर सीजन में काफी डिमांड में रहती हैं लेकिन गर्मियों के मौसम में इनकी लोकप्रियता काफी बढ़ जाती है। स्कूल- कॉलेज की टीचर्स या प्रोफेसर हों या फिर वर्किंग वुमेन, सभी की यह पहली पसंद बनती जा रही हैं। प्योर कॉटन के अलावा पार्टीवियर में भी तांत सिल्क की साड़ियां बेहद चलन में हैं।

चंदेरी कॉटन साड़ियां

चंदेरी कॉटन साड़ियां अब सिर्फ आम महिलाओं की पसंद बनकर ही नहीं रह गयी हैं, बल्कि बॉलीवुड स्टार्स भी इसका प्रयोग अपनी फिल्मों में जमकर कर रहे हैं। वैसे चंदेरी कॉटन और सिल्क दोनों ही फैब्रिक में काफी पसंद की जाती है। पारंपरिक चंदेरी डिजाइन में नाचता हुआ मोर, झाड़ पल्लू, चंदेरी बूटी, पटैला बूटी से सजी साड़ियां मार्केट में उपलब्ध हैं। साथ ही साथ आपको मार्केट में चंदेरी कॉटन और सिल्क पर बाघ, बटिक, दाबु और डिस्चार्ज प्रिंट की साड़ियां भी आसानी से मिल जाएंगी।

खासतौर से शादीशुदा महिलाएं, जो अमूमन साड़ियां पहनना ही पसंद करती हैं। ऐसे में आप एक बार कॉटन साड़ियों को जरूर ट्राई करें।

बनें आदर्श माता-पिता

आधुनिक दौर में बच्चों को संभालना और उनका सही मार्गदर्शन करना काफी मुश्किल होता जा रहा है। पैरेंट्स के लिए यह चैलेंज बन गया है। यदि बच्चों को समझदारी से हैंडल न किया जाए तो उनके दिलोदिमाग पर बुरा असर हो सकता है। यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे अनुशासित, जिम्मेदार और सबकी आंखों का तारा बनें और आप आदर्श माता-पिता कहलाएं तो आजमाएं ये टिप्स

- ***बच्चों*** की सभी बातों में मीन-मेख न निकालें और न ही बात-बात में उन्हें रोकें-टोकें। बच्चों को प्यार से समझाएं। उसके दोस्तों के सामने उसे डांटें नहीं, उसे इस बात का बुरा लगेगा।
- जब आपका बच्चा कोई अच्छा काम करे तो उसकी प्रशंसा करना न भूलें। माता-पिता की प्रशंसा बच्चों के अंदर आत्मविास जगाती है और भविष्य में वे और भी अच्छा परफॉर्म करते हैं।
- बच्चों को बचपन से ही 'सॉरी' और 'थैंक्यू' जैसे शब्दों का प्रयोग करना सिखाएं। घर आए मेहमानों और बड़े-बुजुर्गों का सम्मान करना सिखाएं। अच्छे आचरण के बीज बचपन में ही बोए जा सकते हैं।
- कभी-कभी बच्चों की जिद भी मान लें। जिद करना तो बाल सुलभ स्वभाव है । थोड़ी समझदारी से उसके इस स्वभाव को हैंडल करें तो उसकी यह आदत धीरे-धीरे स्वत: ही कम हो जाएगी।
- आमतौर पर पैरेंट्स बोलते हैं और बच्चों को उनकी बात सुननी पड़ती है। बच्चों को भी बोलने का मौका दें, उनकी बातों को ध्यान से सुनें। बाल मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, यदि बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दिया जाए तो उन्हें दिशा देना आसान हो जाता है।
- बच्चों से फ्रेंडली रहें लेकिन एक सीमा तक ही। अपना पैरेंटल अधिकार बनाए रखें और अनु शासन में रखकर बच्चों को जरूरी दिशा-निर्देश दें।
- दूसरे बच्चों से अपने बच्चों की तुलना न करें। इससे बच्चों में सुपीरियोरिटी कॉम्प्लेक्स या हीन भावना उत्पन्न हो सकती है। हर पैरेंटिंग बच्चा दूसरे से अलग होता है। उसके अच्छे गुणों को उभारना हर माता-पिता की जिम्मेदारी होती है।
- बच्चों में शुरू से ही शेयरिंग की आदत डालें। उसे अपने खिलौने या चॉकलेट अपने दोस्तों या भाई-बहनों के साथ मिल-बांटकर खेलना खाना सिखाएं। इस तरह वे बचपन से ही सोशल होना सीखेंगे।
- अपने बच्चों में ईर्ष्या-द्वेष की भावना न पनपने दें, न ही ओवर रिएक्ट करें।
- बच्चे अनुशासन घर से ही सीखते हैं। अत: बच्चों को जिम्मेदार और अनुशासित बनाने से पहले स्वयं अनुशासित व जिम्मेदार बनें।
- बच्चों को अपने पारिवारिक या आपसी झगड़ों का हिस्सा न बनाएं और न ही उन्हें मोहरे के तौर पर इस्तेमाल करें।
- बच्चों से बहुत अधिक अपेक्षाएं न करें। अक्सर पैरेंट्स अपनी अधूरी महत्वाकां क्षा बच्चों के जरिए पूरी करना चाहते हैं। इसके लिए वे बच्चों पर दबाव डालते हैं, जो सही नहीं है।
- बच्चों को अनुशासन सिखाएं, लेकिन उन्हें अनुशासन के दायरे में बांधकर न रखें। अनुशासन के दायरे में बां धकर रखने से बच्चों का समुचित विकास नहीं हो पाता।
- बच्चों के सामने गाली-गलौज या अपशब्दों का इस्तेमाल न करें और न ही बच्चों के सामने अनावश्यक झूठ बोलें क्योंकि जैसा आप बोलेंगे, उसका प्रभाव निश्चित रूप से आपके बच्चों पर पड़ेगा।
- बच्चों के लिए भी वक्त निकालें। बच्चों की दिनचर्या में शामिल होना भी बच्चों के संपूर्ण विकास का हिस्सा है।
- कोई भी फंक्शन या फैमिली गेट-टुगेदर हो तो बच्चों को साथ जरूर ले जाएं। इससे बच्चे सोशल बनते हैं। हमारी परंपराओं से बच्चे बहुत कुछ सीखते हैं।
- बच्चों के सवालों या उसकी किसी जिज्ञासा पर उसे डांटकर चुप न कराएं बल्कि समझदारीपूर्वक उसके सवालों का जवाब दें और उसकी जिज्ञासाओं को शांत करें। इससे बच्चा भ्रमित नहीं होगा।
- उन्हें इतनी छूट भी न दें कि वे लापरवाह बन जाएं। बच्चों को कोई भी स्वतंत्रता समय से पहले और जरूरत से ज्यादा न दें, ताकि वे चीजों व भावनाओं की कद्र करना जानें।
- बच्चों को आत्मनिर्भर बनना सिखाएं। उसके छोटे-छोटे काम उसे स्वयं करने दें। ऐसा करने से वे बचपन से ही जिम्मेदार और आत्मनिर्भर बनेगा।
- बच्चों की प्रथम पाठशाला उसका घर होता है। अत: अपने बच्चों के सामने सभ्यता से बोलें और अच्छा आचरण करें क्योंकि जैसा आप बोलेंगे और जैसा आचरण आप करेंगे, वैसा ही आपका बच्चा सीखेगा।

इन सब बातों का ध्यान रखकर और उपरोक्त बातों को अपनी और अपने बच्चों की दिनचर्या में शामिल करके आप भी आदर्श माता पिता बन सकते हैं।

अमरिका में लोगों ने तिरंगे को पकड़कर व राहुल के आगमन का बेसब्री से कर रहे थे इंतजार

न्यूर्याक। राहुल गांधी अमेरिका के छह दिवसीय दौरे पर हैं। न्यूयॉर्क में भारतीय-अमेरिकी डायस्पोरा को संबोधित करने से पहले दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिलीं। एक वीडियो में खालिस्तान चरमपंथियों के एक समूह को कांग्रेस नेताओं के लिए वापस जाओ के नारे लगाते हुए दिखाया गया है, जबकि बच्चों सहित अन्य उपस्थित लोगों ने तिरंगे को पकड़कर और राहुल के आगमन का बेसब्री से इंतजार करते हुए अपना उत्साह दिखाया। प्रेस के साथ बातचीत के दौरान एक व्यक्ति कांग्रेस नेता की तस्वीर वाले एक पोस्टर के पास खड़ा था और राहुल की कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 145 दिनों की पैदल यात्रा की उल्लेखनीय यात्रा के लिए प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने उनके प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह राष्ट्र के लिए सकारात्मक योगदान दे रहे हैं। राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपना हमला जारी रखा और आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस भविष्य को देखने में असमर्थ हैं और केवल अतीत के बारे में बात कर सकते हैं। न्यूयॉर्क में जेविट्स सेंटर में प्रवासी भारतीयों की सभा में राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय कार चलाने की कोशिश कर रहे हैं और वो रियर-व्यू मिरर में देखते हैं। तब उसे समझ नहीं आता कि यह कार आगे क्यों नहीं बढ़ रही है, क्यों दुर्घटनाग्रस्त हो रही है। भाजपा के साथ आरएसएस के साथ भी यही विचार है। आप मंत्रियों की सुनते हैं, आप प्रधानमंत्री की सुनते हैं। आप उन्हें भविष्य के बारे में बात करते हुए कभी नहीं पाएंगे। वे केवल अतीत के बारे में बात करते हैं।

यौन शोषण के आरोपी भारतीय मूल के पिता-पुत्र कनाडा में गिरफ्तार

-कई लड़कियों का महीनों तक किया शोषण, जबरन की वसूली

टोरंटो। कनाडा में भारतीय मूल के एक व्यक्ति और उसके बेटे को कई लड़कियों का महीनों तक शोषण करने एवं उनसे जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय पुलिस ने एक बयान में बताया कि अप्रैल में लापता हो गई 13 वर्षीय एक लड़की की तलाश के सिलसिले में हुई जांच के बाद गुरप्रताप सिंह वालिया (56) और उसके बेटे सुम्रित वालिया (24) को गिरफ्तार किया गया। लड़की ने मिलने के बाद बताया कि उसके सुमित के साथ संबंध थे तथा सुमित उसे सेक्स के बदले कथित रूप से मादक पदार्थ देता था। पिता-पुत्र की शराब की एक दुकान थी जहां लड़कियों का उत्पीड़न किया गया। जांच के दौरान अधिकारियों को पता चला कि पिता-पुत्र किशोरियों को मादक पदार्थ और शराब देते थे और फिर उन लड़कियों का यौन उत्पीड़ किया जाता था। मीडिया के अनुसार ये घटनाएं दिसंबर 2022 से मई 2023 के बीच हुईं। पुलिस ने 1 जून को दोनों संदिग्धों को गिरफ्तार किया। उनके घर की तलाशी लेने पर 97 हजार 500 अमरीकी डॉलर मूल्य की 975 ग्राम कोकीन और 7 हथियार मिले। तलाशी के दौरान एक कम्प्यूटर में बाल पोर्नोग्राफी (अश्लील सामग्री) भी मिली। सुम्रित और उसके पिता को यौन शोषण, बाल पोर्नोग्राफी रखने का आरोपी बनाया गया है।

प्राथमिक विद्यालयों की 80 लड़कियों को दिया गया जहर!

काबुल । उत्तरी अफगानिस्तान में दो अलग-अलग घटनाओं में प्राथमिक विद्यालयों की 80 लड़कियों को जहर दे दिया गया, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक स्थानीय शिक्षा अधिकारी ने यह जानकारी दी। ऐसा माना जा रहा है कि अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में आने और अफगान महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों तथा स्वतंत्रता पर नियंत्रण करने के बाद से इस तरह का यह पहला मामला है। देश में लड़कियों के छठी कक्षा से आगे पढ़ाई करने पर प्रतिबंध है। शिक्षा अधिकारी ने विस्तृत जानकारी नहीं देते हुए कहा कि जहर देने वाले व्यक्ति की निजी रंजिश थी। ये घटनाएं सर-ए-पुल प्रांत में शनिवार और रविवार को हुईं।

हैती में बाढ़ से 15 की मौत, आठ लापता

पोर्ट ऑ प्रिंस। हैती में भारी बारिश के कारण भयानक बाढ़ और भूस्खलन संबंधी घटनाओं में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य लोग लापता हैं। हैती की नागरिक सुरक्षा एजेंसी के अनुसार मकानों में पानी भरने से करीब 13,400 लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। सड़के पानी में पूरी तरह डूब चुकी हैं। अधिकारियों ने बताया कि 7,400 से अधिक परिवारों के प्रभावित होने की सूचना है। बारिश से हुए नुकसान का पता लगाया जा रहा है। प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने कहा कि वह बाढ़ से प्रभावित लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थानीय तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ काम कर रहे हैं।

फांस में पत्नी के समक्ष एक शख्स ने दी पाक के पूर्व आर्मी चीफ को गाली

-अफगानिस्तान में जेहाद के लिए बाजवा को ठहराया जिम्मेदार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व आर्मी चीफजनरल (रिटायर्ड) कमर जावेद बाजवा इस समय भले ही सेना प्रमुख न हों, लेकिन वह हमेशा खबरों में बने रहते हैं। ताजा मामला एक वीडियो का है जो इस समय तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में नीले रंग की टी-शर्ट और ग्रे पैंट पहने बाजवा अपनी पत्नी के साथ नजर आ रहे हैं। यहां पर कोई शख्स उनके साथ दुर्व्यवहार कर रहा है। इस शख?स को बाजवा को काफी भद्दी गालियां देते हुए सुना जा सकता है। बाजवा पिछले साल नवंबर में रिटायर हो गए थे और उनकी जगह पर उनके करीबी रहे जनरल असीम मुनीर को नया आर्मी चीफबनाया गया था। बताया जा रहा है कि ट्विटर पर रविवार को वीडियो शेयर किया गया है और एनेसी, फ्रांस का है, जहां पर बाजवा अपनी पत्नी के साथ मौजूद हैं। मीडिया ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख बाजवा के साथ इस तरह का बुरा बर्ताव किया जा रहा है। एक पत्रकार ने मांग की है कि इस मसले को फ्रांस के सामने राजनयिक तौर पर उठाया जाए। वीडियो में अफगानिस्तान का एक शख्स बाजवा को अफगानिस्तान में जेहाद के लिए जिम्मेदार ठहरा रहा है। इस पर बाजवा को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वह अब पाकिस्तान के आर्मी चीफ नहीं हैं। बाजवा उस शख्स को सलाह देते हैं कि उसे पुलिस को बुला लेना चाहिए। वह शख्स भी उनकी बात दोहराता है और उन्हें काफी गंदी गालियां देने लगता है। बाजवा पहली बार नवंबर 2016 में पाकिस्तान के आर्मी चीफबने थे। साल 2019 में तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने उनका कार्यकाल तीन साल के लिए बढ़ा दिया था। इसके बाद वह 63 साल की उम्र में नवंबर 2022 में पाकिस्तान सेना से रिटायर हुए। बाजवा ऐसे समय में रिटायर हुए थे जब देश में आर्थिक अस्थिरता और राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई थी। कई लोगों उनके कार्यकाल को राजनीतिक दखलंदाजी के तौर पर देखते हैं। वो मानते हैं कि बाजवा ने इस तरह से दखलदांजी की कि सेना के अंदर ही फूट पड़ गई।

तुर्किये के सैनिक कोसोवो पहुंचे, पहले से ही तैनात नाटो नीत शांतिरक्षकों की करेंगे मदद

इस्तांबुल। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के अनुरोध पर तुर्किये के कमांडो बटालियन की टुकड़ी कोसोवो पहुंच गई है जो इस बाल्कन देश में हिंसा को रोकने में मदद करेगी। तुर्किये के रक्षामंत्री ने रविवार को एक वीडियो साझा किया जिसमें दिखाई दे रहा है कि नाटो नीत केएफओआर शांतिरक्षक का बिल्ला लगाए सैनिक तुर्किये से रवाना हो रहे हैं और उसके बाद कोसोवो पहुंच रहे हैं। गौरतलब है कि सर्ब के साथ गत सोमवार को हुई जातीय हिंसा में 30 अंतरराष्ट्रीय सैनिक घायल हो गए थे जिनमें 11 इतालवी और 19 हंगरी के सैनिक शामिल थे। इन सैनिकों में कुछ की हड्डिया टूट गई हैं और कुछ स्थानीय रूप से उन्नत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) की चपेट में आने से झुलस गए हैं। गौरतलब है कि हिंसा की शुरुआत उस समय हुई जब सर्ब जातीय समूह के बहिष्कार के बाद अल्बानियाई मूल के उम्मीदवारों ने भारी जीत दर्ज की और जब वे कार्यभार संभालने नगरपालिका की इमारत गए तो सर्ब ने उनका विरोध किया। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय के अधिकारी ने पहचान गुप्त रखते हुए पिछले सप्ताह बताया था कि उनके देश के करीब 500 सैनिक कोसोवो में तैनात किए जाएंगे।

बैंकाक में एलजीबीटी प्राइड परेड में मूव फारवर्ड पार्टी की नेता पिटा लिमजारोनेट भी अन्य लोगों के साथ शामिल हुईं।

वाशिंगटन में उड़ रहे अज्ञात विमान का पीछा किया तो वर्जीनिया में हुआ क्रैश

वाशिंगटन। वाशिंगटन क्षेत्र में अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने रविवार को उड़ान भर रहे एक रहस्यमयी विमान का पीछा किया, जो बाद में वर्जीनिया में क्रैश हो गया। पुलिस ने कहा कि बचावकर्ता जब शेनानडोह घाटी के एक ग्रामीण हिस्से में विमान दुर्घटना के स्थल पर पहुंचे तो देखा विमान में सवार कोई भी व्यक्ति जिंदा नहीं बचा था। अधिकारियों के अनुसार अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में सोनिक बूम को उस समय सुना गया, जब फाइटर जेट एक छोटे प्लेन का पीछा कर रहे थे। हालांकि, यह प्लेन बाद में वर्जीनिया में जाकर क्रैश हो गया। अधिकारियों ने बताया कि फाइटर जेट्स के लिए फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन उस समय कॉल करता है, जब कोई भी विमान असुरक्षित तरीके से उड़ान भर रहा होता है।कॉन्टिनेंटल यूएस नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड रीजन ने बताया कि फाइटर जेट्स ने रहस्यमयी विमान के पायलट से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसकी तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया। दुर्घटनाग्रस्त विमान मेलबर्न इंक के एनकोर मोटर्स के लिए पंजीकृत था, जो फ्लोरिडा में स्थित है। कंपनी चलाने वाले जॉन रॅपेल ने मीडिया को को बताया कि विमान में उनकी बेटी, दो साल की पोती, उसकी दादी और पायलट सवार थे। उन्होंने कहा कि वे उत्तरी कैरोलिना में अपने घर का दौरा करने के बाद लॉन्ग आइलैंड पर ईस्ट हैम्पटन में अपने घर लौट रहे थे। जिस समय फाइटर जेट ने उड़ान भरी, उस समय राष्ट्रपति जो बाइडेन ज्वाइंट बेस एंड्रयूज में गोल्फ खेल रहे थे। यूएस सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता एंथोनी गुगलिल्मी ने कहा कि इस घटना का रविवार को राष्ट्रपति की गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

निक्की हेली ने भारत को बताया सबसे बड़े प्रदूषकों में से एक

ट्विटर यूजर ने सर्वाधिक co2 उत्सर्जक देशों का ग्राफ साझा करते हुए कहा- पहले आईना देखो

काठमांडू (एजेंसी)। भारतीय मूल की अमेरिकी राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार निक्की हेली द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर भारत को सबसे बड़े प्रदूषकों में से एक कहने के बाद सोशल मीडिया पर एक विवाद छिड़ गया है। ट्विटर पर हेली ने कहा कि अगर हम पर्यावरण को बचाने के लिए गंभीर होना चाहते हैं, तो हमें भारत और चीन से भिड़ने की जरूरत है। वे कुछ सबसे बड़े प्रदूषक हैं। बस इतना कहना भर था कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई नेटिज़न्स ने इस

बयान पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया जताई है और निक्की हेली को उनके बयान के लिए आड़े हाथों लिया।

'एआई बुक' के योगदानकर्ता शैलेंद्र मलिक ने हेली की आलोचना करते हुए कहा कि मुझे विश्वास होने लगा है कि विभिन्न अमेरिकी कंपनियों के सीईओ के रूप में भारतीय एक अच्छी बात है लेकिन राजनेताओं के रूप में, वे व्यक्तित्वों में सबसे बेकार हैं। उन्होंने कहा कि उनकी विश्वदृष्टि और आवश्यकता, हर किसी को यह साबित करने के लिए कि वे अमेरिकियों की तुलना में अधिक अमेरिकी या ब्रिटिशों की तुलना में अधिक ब्रिटिश हो सकते हैं, हमेशा तथ्यों को देखे बिना भारत के बारे में बकवास करने के लिए मजबूर रहते हैं।

चीनी कर्नल ने की भारत को नीचा दिखाने की ओछी हरकत

बीजिंग। सिंगापुर में पिछले दिनों आयोजित शांगरी-ला डायलॉग के दौरान चीनी कर्नल का अहंकार झलका है। उसने इस तरह से भारत को नीचा दिखाने की कोशिश की है। गौरतलब है कि भारत और चीन के बीच पिछले कुछ समय से काफी तनाव है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने है। सिंगापुर में पिछले दिनों शांगरी-ला डायलॉग का आयोजन हुआ है। इसी कार्यक्रम में चीन के एक सीनियर कर्नल ने कहा कि भारतीय सेना, चीन के लिए कोई खतरा नहीं है। उनका कहना है कि भारत कभी भी चीनी रक्षा उद्योग और हथियार प्रणाली तक नहीं पहुंच पाएगा। वही चीनी विशेषज्ञों की मानें तो सीमा पर संघर्ष के बावजूद, भारत, चीन का मुकाबला करने के लिए अमेरिका की रणनीति में साथी होने की संभावना नहीं है। शांगरी-ला डायलॉग एशिया का सबसे बड़ा सिक्योरिटी फोरम है। यहां पर चीनी सैन्य प्रतिनिधियों का कहना है कि भारत, चीन के लिए सुरक्षा खतरा पैदा नहीं करेगा क्योंकि वह रक्षा निर्माण और अपनी सेना के आधुनिकीकरण में पीएलए को चुनौती देने में अभी भी अक्षम है। रविवार को खत्म हुए शांगरी-ला डायलॉग के मौके पर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के प्रतिनिधियों ने कहा कि भारत अभी भी चीन की सेना की बराबरी करने से कोसो दूर है।

प्रचंड की भारत यात्रा ने विपक्षी दलों को किया एकजुट, नेपाल को बेचने का लगाया आरोप

कांठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल की दिल्ली यात्रा जिसे उन्होंने भले ही बहुत सफल बताया है। लेकिन प्रचंड की इस यात्रा ने विपक्षी दलों को एकजुट कर दिया है। विपक्ष एकमत होते हुए उन पर नेपाल को भारत को पूरी तरह से बेचने का आरोप तक लगा दिया है। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी और नेपाल मजदूर किसान पार्टी सहित विपक्ष ने प्रतिनिधि सभा को रविवार को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया। इसके साथ ही अध्यक्ष से सूचीबद्ध कार्य को रोकने के लिए कहा और पीएम को उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए बुलाया है। जानकारी के अनुसार नेपाल की सभी विपक्षी पार्टियां एकजुट होकर भारत के साथ सीमा विवाद का मुद्दा न उठाने को लेकर प्रचंड की कटू आलोचना कर रहे हैं। इस बीच, न्यायमूर्ति मनोज कुमार शर्मा की सर्वोच्च न्यायालय की एकल पीठ ने नागरिकता विधेयक के संचालन पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसे राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने दहल के आधिकारिक दौरे पर जाने से कुछ ही घंटे पहले मंजूरी दे दी थी।

यूएमएल के मुख्य सचेतक पदम गिरि ने मीडियाकर्मियों से कहा कि पीएम दहल संक्षिप्त और राष्ट्रीय हित की कीमत पर भारत चले गए और उन्होंने सीमा विवाद के मुद्दे को उठाने से इनकार कर दिया। उन्होंने नए संसद भवन में लगे अखंड भारत के भित्ति चित्र में कथित रूप से गौतम बुद्ध के जन्म स्थान लुंबिनी और कपिलवस्तु को दिखाए जाने को लेकर प्रचंड की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। नेपाल के नागरिकता कानून में यह संशोधन हमेशा से ही विवादित रहा है जो नेपालियों से शादी करने वाले विदेशियों को राजनीतिक अधिकारों के साथ-साथ उन्हें नागरिकता भी प्रदान करता है। माना जाता है कि बिल की मंजूरी भारत से सटे तराई में लोगों को नागरिकता देने के मुद्दे पर कुछ पांच साल पहले व्यक्त की गई दिल्ली की इच्छा को संबोधित करती है।

एलएसी पर चीनी सेना ने तैयारी बढ़ाई, अक्साई चिन में तेजी से कर रहा निर्माण

लद्दाख (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच गतिरोध जारी है। दोनों देशों के बीच अभी भी बॉर्डर पर विभिन्न मसलों को लेकर तनाव है। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन दोनों के सैनिक तैनात हैं। अभी कुछ दिनों पहले ही एलएसी के पास चीन की बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। एलएसी पर चीनी सेना ने तैयारी बढ़ दी है। हवाई क्षेत्र, हेलीपैड निर्माण भी तेजी से चल रहा है। वहीं अब अक्साई चिन को लेकर भी चीन की करतूत उजागर हुई है। अमेरिका के थिंक टैंक चैटहम हाउस ने दावा किया है कि चीन विवादित अक्साई चिन में भी निर्माण कर रहा है। वो इलाकों में सड़कें, आउटपोस्ट, कैंप और हेलीपोर्ट बनाने में लगा हुआ है।

यूके स्थित थिंक टैंक की रिपोर्ट अक्टूबर 2022 से छह महीनों में ली गई सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण पर आधारित है और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के चीनी पक्ष पर बुनियादी ढांचे के बड़े पैमाने पर रैपिंग के अन्य सबूतों पर आधारित है। चैटहम हाउस को रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स के नाम से भी जाना जाता है। उसने बताया है कि अक्साई चिन की सैटेलाइट तस्वीरें विस्तारित सड़कें, चौकी और पार्किंग क्षेत्र, सौर पैनल और यहां तक ??कि हेलीपैड से सुसज्जित आधुनिक मौसमरोधी शिविर दिखाती हैं।

साल 2020 के बाद से एलएसी के साथ चीन के हवाई क्षेत्रों के विस्तार ने पीएलए के लिए व्यापक संचालन करने और कुछ क्षेत्रों में भारत के तुलनात्मक लाभों का मुकाबला करने की क्षमता पैदा की है। सीमा गतिरोध ने भारत-चीन संबंधों को छह दशक के निचले स्तर पर ले लिया है। विशेष रूप से जून 2020 में गालवान घाटी में एक क्रूर संघर्ष के बाद 20 भारतीय सैनिकों और कम से कम चार चीनी सैनिकों की मौत हो गई थी। भारत के शीर्ष नेतृत्व ने कहा है कि एलएसी पर असामान्य स्थिति को दूर करने के लिए कदम उठाए जाने तक संबंधों को सामान्य नहीं किया जा सकता है।

अमेरिका ने ताइवान जलडमरूमध्य में चीनी पोत के सामने आने का वीडियो जारी किया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। बैंकॉक। अमेरिकी सेना ने गत सप्ताहांत ताइवान जलडमरूमध्य में चीन के एक जहाज के 'असुरक्षित' तरीके से एक अन्य पोत के सामने आने की घटना का वीडियो सोमवार को जारी किया। हालांकि हादसा टल गया। गौरतलब है कि चीनी नौसेना का एक जहाज अचानक ताइवान जलडमरूमध्य में अमेरिका के एक विध्वंसक पोत के सामने आ गया था, जिसके कारण अमेरिकी जहाज को टक्कर से बचने के लिए अपनी गति धीमी करनी पड़ी थी।

यह घटना शनिवार को उस वक्त हुई जब अमेरिकी विध्वंसक पोत यूएसएस चुंग-हून और कनाडाई फ्रिगेट (जंगी जहाज) एचएमसीएस मॉंट्रियल, ताइवान और चीन के मुख्य भू-भाग के बीच जलडमरूमध्य में तथाकथित 'फ्रीडम ऑफ नेवीगेशन' (एफओएन) का इस्तेमाल कर रहे थे। चीन लोकतांत्रिक रूप से स्व-शासित द्वीप ताइवान पर अपना दावा जताता है और जलडमरूमध्य को अपना विशेष आर्थिक क्षेत्र बताता है, जबकि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के जहाज नियमित रूप से इस क्षेत्र से गुजरते हैं तथा उनके विमान उड़ान भरते हैं। उनकी दलील है कि यह अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र है। सोमवार को जारी वीडियो में चीनी जहाज अमेरिकी जहाज के रास्ते में आता और फिर मुड़कर उसकी समानांतर दिशा में चलता हुआ दिखाई दे रहा है। हिंद-प्रशांत कमांड ने कहा कि ये गतिविधियां अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में सुरक्षित रूप

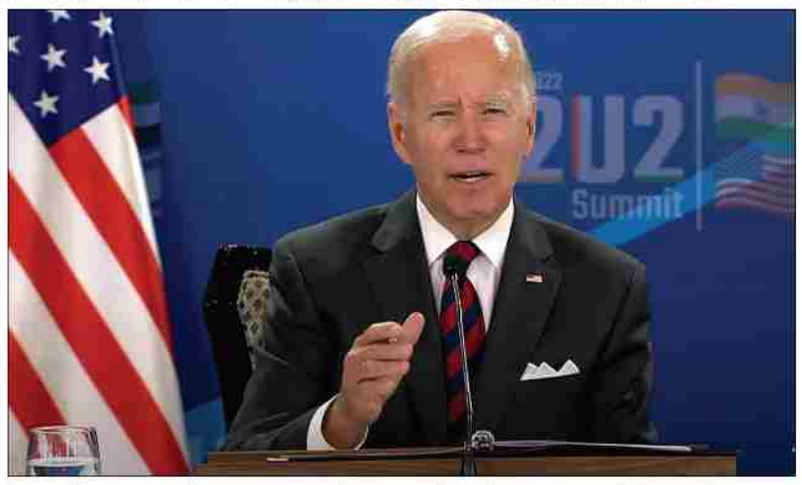

से गुजरने के समुद्री नियमों का उल्लंघन करती हैं।

वहीं, चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि ऐसा 'कानून के अनुसार' किया गया। उन्होंने कहा, ''अमेरिका को गहनता से आत्मचिंतन करना चाहिए और गलत कार्यों को सुधारना चाहिए।'' अमेरिका ने हाल में चीन पर हवाई क्षेत्र में 'अनावश्यक रूप से आक्रामक' बर्ताव करने का आरोप लगाया था। ताइवान जलडमरूमध्य में यह घटना तब हुई जब अमेरिकी विदेश मंत्री लॉयड ऑस्टिन और चीन के रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफु एक वार्षिक रक्षा सम्मेलन के लिए सिंगापुर में थे। चीन के रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफु ने रविवार को कहा था कि अमेरिका और उसके सहयोगियों ने ताइवान जलडमरूमध्यम में खतरा पैदा किया है, जबकि इसके बजाय उन्हें 'अपने वायुक्षेत्र और जलक्षेत्र की अच्छी तरह से देखभाल' करनी चाहिए। उन्होंने एक दुभाषिये के माध्यम से कहा, ''वहां आने का क्या मतलब है? चीन में हम हमेशा कहते हैं, अपने काम से मतलब रखो।'' ऑस्टिन ने ली को सम्मेलन से इतर वार्ता के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन ली ने इससे इनकार कर दिया था।

अतीत में देखने वाली बीजेपी व आरएसएस भविष्य से अंजान : राहुल गांधी

-कांग्रेस नेता ने रेल हादसे पर घेरा मोदी सरकार को, नैतिकता के आधार पर मांगा स्तीफा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रेल हादसे को लेकर भाजपा की सरकार में रेल मंत्री से नैतिकता के आधार पर इस्तीफा मांगा है। राहुल ने भाजपा नीत केंद्र सरकार पर हमला तेज करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और आरएसएस को पीछे मुड़कर देखने की आदत है और वे भविष्य के बारे में कभी नहीं सोचते और अतीत के लिए हमेशा किसी न किसी को दोषी ठहराते रहते हैं। उन्होंने रविवार को ओडिशा के बालासोर ट्रेन हादसे को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर कांग्रेस का कोई मंत्री सत्ता में होता, तो वह हादसे की नैतिक जिम्मेदारी लेता और इस्तीफा दे देता। न्यूयार्क के जेविट्स सेंटर में सभा को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा, भाजपा और आरएसएस भविष्य देखने में अक्षम हैं। उनसे पूछिए कि ट्रेन दुर्घटना क्यों हुई, तो वे कहेंगे कि कांग्रेस के समय भी ऐसा हुआ था। जब आप पूछेंगे कि पीरियोडिक टेबल को किताबों से क्यों हटाया गया तो वे कहेंगे कि 60 साल पहले कांग्रेस ने ऐसा किया था। उन्हें पीछे मुड़कर देखने की आदत होती है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक उदाहरण देकर कहा कि आप सभी अपनी कार से यहां आए हैं, जरा सोचिए कि अगर आपने ड्राइविंग करते समय केवल रियर व्यू मिरर में देखा होता, तो आप दुर्घटनाग्रस्त हो जाते। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, मोदी की यही विशेषता है। वह भारतीय कार को चलाने की कोशिश कर रहे है और हमेशा रियर व्यू मिरर में देखते है और फिर उन्हें समझ नहीं आता कि यह कार क्यों दुर्घटनाग्रस्त हो रही है और आगे नहीं बढ़ रही है। भाजपा, आरएसएस के साथ भी यही विचार है, आप उनके मंत्रियों को सुनें। आप उन्हें कभी भविष्य के बारे में बात करते हुए नहीं पाएंगे, वे हमेशा अतीत के बारे में बात करेंगे और किसी न किसी को दोष देंगे।

राहुल की यह टिप्पणी बालासोर में शुक्रवार शाम हुए भयानक ट्रेन हादसे के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग के कुछ घंटे बाद आई है, जिसमें 275 से अधिक लोगों की जान चली गई। कांग्रेस नेता ने

कहा, समस्या यह है कि हम बहाने बनाते हैं और हम उस वास्तविकता को स्वीकार नहीं कर रहे हैं, जिसका हम सामना कर रहे हैं। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सचिव वीरेंद्र वशिष्ठ ने कहा कि यहां प्रवासी भारतीयों को राहुल के संबोधन से पहले सभी नेताओं और लोगों ने बालासोर ट्रेन त्रासदी के पीड़ितों के लिए एक मिनट का मौन रखा। गौरतलब है कि राहुल अमेरिका के छह दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने कई कार्यक्रमों को संबोधित किया है।

जून में पहली बार खेला जाएगा ओवल में कोई टेस्ट

पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम के जीतने की संभावना अधिक

लंदन । (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सात जून को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। यह मैच इंग्लैंड के ओवल मैदान में होगा। यह पहली बार है जब जून में इस मैदान में कोई टेस्ट खेला जा रहा है। अभी तक इस मैदान पर कुल 104 टेस्ट हुए हैं। इसमें जुलाई में 8 टेस्ट मैच हुए हैं। जिसमें से आधे मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। ऐसे में इस मैच में टॉस सबसे अहम रहेगा क्योंकि यहां शुरुआत में बल्लेबाजी करना आसान समझा जाता है। पिछले रिकार्ड को देखें तो 8 में से 4 मैच में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को यहां जीत मिली है। वहीं दो मैच में बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है जबकि 2 मैच बराबरी पर रहे हैं।

भारतीय टीम ने यहां एक टेस्ट जुलाई में खेला था और वह मुकाबला ड्रॉ रहा था। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने इस मैदान पर अब तक कोई टेस्ट जुलाई में नहीं खेला है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस मैदान पर खेले 38 में से 7 टेस्ट जीते हैं। 17 में उसे हार मिली है, जबकि 14 टेस्ट ड्रॉ रहे। वहीं भारतीय टीम ने ओवल में 14 टेस्ट खेले हैं और उसे 2 मैच में जीत मिली है जबकि 5 मुकाबले में हार व 7 मैच ड्रॉ रहे हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम का पलड़ा यहां भारी नजर आता है।

वहीं इस मौसम में सिर्फ चौथे दिन 60 फीसदी बारिश होने के अनुमान है। वहीं बचे हुए दिन मौसम साफ रहेगा। आईसीसी ने फाइनल के लिए छठा रिजर्व रखा है। ऐसे में बारिश के कारण कुछ ओवर नहीं हो पाते हैं, तो छठे दिन मैच पूरा होगा। वहीं साल 2021 में भी पहले सत्र के फाइनल का परिणाम भी छठे दिन ही निकला था। आईसीसी के नियम के अनुसार, यदि बारिश के कारण मैच पूरा नहीं हो पाता है या मुकाबला ड्रॉ रहता है तो दोनों ही टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया जाएगा

महिला जूनियर हॉकी एशिया कप: भारत ने मलेशिया को 2-1 से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। काकामिगाहारा। भारतीय टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए महिला जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में मलेशिया को सोमवार को 2 . 1 से हराया। भारत के लिये मुमताज खान ने दसवें और दीपिका ने 26वें मिनट में गोल किया। मलेशिया के लिये डियान नजेरी ने छठे मिनट में गोल दागा। इस जीत के बाद भारत पूल ए में शीर्ष पर है जिसने पहले मैच में उजबेकिस्तान को 22 . 0 से शिकस्त दी थी। भारत ने पहले मिनट से ही आक्रामक खेल दिखाया और कुछ पेनल्टी कॉर्नर बनाये हालांकि उन पर गोल नहीं हो सका। दूसरी ओर मलेशिया ने शुरूआत में गेंद पर नियंत्रण में बाजी मारी और छठे ही मिनट में नजेरी ने उसके लिये गोल कर दिया।

मलेशिया की बढत हालांकि ज्यादा देर तक नहीं रही और चार मिनट बाद मुमताज ने पेनल्टी कॉर्नर पर भारत के लिये बराबरी का गोल किया। हाफ टाइम से चार मिनट पहले भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे दीपिका ने गोल में बदला। हाफटाइम के बाद कोई टीम गोल नहीं कर सकी। भारत का सामना मंगलवार को तीसरे पूल मैच में कोरिया से होगा।

ब्रेंडन किंग के शतक से वेस्टइंडीज ने यूएई को सात विकेट से हराया

शारजाह। (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज ब्रेंडन किंग के पहले शतक की मदद से वेस्टइंडीज ने रविवार को यहां तीन मैचों की श्रृंखला के पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में यूएई को सात विकेट से हरा दिया। किंग ने 112 गेंद में 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 112 रन की पारी खेली जबकि शामरा ब्रूक्स ने 44 रन बनाए जिससे टीम ने 88 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की। नए कप्तान शाई होप (नाबाद 13) ने छक्का जड़कर 35.2 ओवर में टीम का स्कोर तीन विकेट पर 206 रन तक पहुंचाकर उसे जीत दिलाई। इससे पहले यूएई की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.1 ओवर में 202 रन पर सिमट गई। तेज गेंदबाज कीमो पॉल ने 34 रन पर तीन विकेट चटकाए।

मेजबान टीम ने लिए 19 साल के अली नसीर पदार्पण करते हुए 52 गेंद में 58 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। वी अरविंद ने भी 77 गेंद में 40 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज की ओर से यानिक कारिया ने 26, डोमीनिक ड्रेक्स ने 29 और ओडियन स्मिथ ने 40 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। तीन मैचों की यह श्रृंखला अगले महीने जिंबाब्वे में होने वाले विश्व कप क्वालीफायर्स की तैयारी कर रही दोनों टीमों के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

इंग्लैंड की पिच पर कड़ी मेहनत करना है जरुरी, डब्ल्यूटीसी 2023 से पहले आया रोहित शर्मा का बयान

लंदन (एजेंसी)। लंदन। भारतीय टीम को सात जून से इंग्लैंड में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है। इस भिड़ंत से पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि इंग्लैंड की पिच ऐसी है जहां कड़ी मेहनत करने के अलावा बल्लेबाजों के पास अन्य विकल्प नहीं होता है।

गौरतलब है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने उपमहाद्वीप से बाहर अपना एकमात्र टेस्ट शतक 2021 में 'द ओवल' में बनाया था। रोहित शर्मा का कहना है कि इंग्लैंड में ऐसी परिस्थितियां होती हैं जहां बल्लेबाज के तौर पर कोई भी क्रीज पर सहज महसूस नहीं करता लेकिन उसे पता चल जाता है कि प्रतिद्वंद्वी टीम के गेंदबाजों के खिलाफ कब आक्रामकता बरतनी है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को यहां आईसीसी के एक कार्यक्रम 'आफ्टरनून विद टेस्ट लीजेंड्स' में अपनी बात रखी।

रोहित शर्मा ने कहा कि मुझे लगता है कि इंग्लैंड में बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण स्थितियां बनती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए बल्लेबाजों को तैयार रहना होगा तभी सफलता की सीढ़ी चढ़ी जा सकती है। बता दें कि इससे पहले वर्ष 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट में भारत के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे थे। हालांकि इस मैदान पर अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन खास नहीं रहा है। विराट कोहली का इस मैदान पर औसत 30 का भी नहीं है, जबकि पुजारा ने इस मैदान पर 20 की औसत से भी कम में रन बनाए है। ऐसे में रोहित शर्मा की चिंता का विषय सही लगता है।

पैट कमिंस, रॉस टेलर और इयान बेल के साथ बैठे भारतीय कप्तान ने अपने निजी अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, ''2021 में मुझे एक चीज महसूस हुई कि आप कभी भी क्रीज पर जमते नहीं हो और फिर मौसम बदलता रहता है। आपको लंबे समय तक ध्यान लगाये रखना होता है और फिर आपको पता चल जाता है कि अब गेंदबाजों को धुनने का समय आ गया है। सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपको क्रीज पर जाकर समझना होता है कि आपकी मजबूती क्या है।''

मुंबई इंडियंस और टीम इंडिया के साथ इतने वर्षों में वह आंकड़ों और डाटा पर काफी ध्यान देते हैं। रोहित को लगता है कि 'द ओवल' में सफलता हासिल करने वाले पूर्व खिलाड़ियों के स्कोर बनाने के 'पैटर्न' को जानना बुरा विचार नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं उनका (सफल खिलाड़ियों) अनुकरण करने की कोशिश नहीं करूंगा लेकिन उनके रन बनाने के 'पैटर्न' को जानना अच्छा होगा। मैंने पाया कि ओवल में स्क्वायर बाउंड्री काफी तेज लगती हैं।''

पिछले एक दशक से एक से दूसरे प्रारूप में खेलने के लिए खुद को ढालने वाले रोहित जानते हैं कि यह मुश्किल होता है लेकिन वह इस चुनौती और जरूरत के अनुसार अपनी तकनीक में बदलाव करने की खुद की काबिलियत का आनंद लेते हैं। रोहित ने कहा, ''प्रारूप बदलना निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण कारक है। आप कई प्रारूपों में खेलते हो। मानसिक रूप से आपको बदलने के अनुकूलित होना चाहिए और अपनी तकनीक में फेरबदल करना चाहिए। आपको मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए।

टेस्ट ड्रॉ रहा तो दोनो ही टीमें होंगी संयुक्त विजेता

लंदन ।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सात जून से लंदन के ओवल क्रिकेट मैदान पर होने वाले मैच को लेकर सभी उत्साहित हैं। दोनो ही टीमों इस मुकाबले के लिए अभ्यास में लगी है। भारतीय टीम दूसरी बार खिताबी मुकाबले में पहुंची है जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली बार। इस मैच को लेकर कुछ आशंकाएं भी प्रशंसकों के मन में हैं। वो ये कि अगर बारिश या किसी अन्य कारण से इस मैच का परिणाम नहीं निकलता तो किस टीम को विजेता माना जाएगा। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला अगर किसी भी वजह से ड्रॉ हो जाता है तो आईसीसी के नियम के अनुसार भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों को ही संयुक्त विजेता घोषित किया जाएगा हालांकि कोई भी टीम ऐसा नहीं चाहेगी कि वह ट्रॉफी शेयर करें। ऐसे में दोनों की कोशिश यही रहेगी कि वह हर हाल में जीत हासिल कर विजेता बने। दोनो ही टीमों के खिलाड़ी अभी अभ्यास में लगे हैं। भारतीय टीम के सामने एक बड़ी चुनौती ये होगी कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में वह किस तरह के संयोजन के साथ मैदान पर उतरती है। पिछली बार जब टीम इंडिया दो स्पिन गेंदबाज के साथ मैदान पर उतरी थी पर उसकी ये योजना विफल रही थी। ऐसे में भारतीय टीम पिछले बार की गलती नहीं दोहराना चाहेगी। तब 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ डब्लयूटीसी फाइनल मैच में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। वैसे भी इंग्लैंड के मैदानों में उछल भर पिच पर तेज गेंदबाजी अधिक हावी रहे हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल और एशेज में काउंटी क्रिकेट के अनुभवों से फायदा होगा : लाबुशेन

लंकाशर । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद लगाये हुए हैं। लाबुशेन को उम्मीद है कि उन्हें इस मैच में काउंटी क्रिकेट के अनुभवों का लाभ मिलेगा। लाबुशेन पिछले काफी दिनों से यहां ग्लैमोर्गन की ओर से काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। लाबुशेन को काउंट के कारण इंग्लैंड के माहौल में ढलने में भी सहायता मिली है। उन्होंने काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के साथ ही आठ पारियों में दो शतकों की मदद से 504 रन बनाए और उन्हें उम्मीद है कि वह डब्ल्यूटीसी फाइनल और एशेज में इस सिलसिले को बनाये रखेंगे। लाबुशेन ने कहा, मैं यहां काउंटी क्रिकेट में पिछले पांच सालों से आ रहा हू। अब यह मेरी आदत का हिस्सा बन गया है। मुझे यहां आना और काउंटी क्रिकेट खेलना पसंद है। मुझे ग्लैमोर्गन की टीम पसंद है। उन्होंने कहा, मैं यहां खेलने का बहुत आनंद लेता हू इसलिए बार-बार यहां आता हू। यह मेरे लिए अच्छा है कि इस साल डब्ल्यूटीसी फाइनल और एशेज भी है। उस सीरीज में बढ़ते हुए यह अनुभव मेरे लिए लाभप्रद रहेंगे। लाबुशेन ने कहा, जो कोई भी ऑस्ट्रेलिया के लिए नबर तीन पर बल्लेबाजी करेगा तो उसके ऊपर जिम्मेदारी होगी ही। मैं जब 2019 में एशेज, टेस्ट सीरीज के लिए यहां आया था जो रन बनाना मेरी जिम्मेदारी थी। अगर मैं ऐसा नहीं करता तो वे मेरी जगह किसी और को रख लेते। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगा कि अब कुछ भी बदला है। हमें रन बनाने की और ज्यादा से ज्यादा मैचों में टीम की जीत में योगदान देने के तरीके अपनाने होंगे।

दिग्गज फुटबॉलर इब्राहिमोविच ने लिया खेल से सन्यास, फैंस हुए बेहद हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सफलतम कप्तानों में से एक महेंद्र सिंह धोनी ने वर्ष 2021 में अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर एक वीडियो शेयर किया था और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास लेने का ऐलान किया था। महेंद्र सिंह धोनी द्वारा अचानक सन्यास लिए जाने के फैसले से उनके फैंस काफी हैरान हुए थे।

इसके बाद उन्हें ना ही कोई फेयरवेल मैच के जरिए विदाई दी गई और ना ही फैंस उन्हें ट्रीब्यूट दे सके। ऐसा ही कुछ स्वीडन के स्टार फुटबॉलर ज्लाटान इब्राहिमोविच ने भी किया है। उन्होंने फुटबॉल से अचानक ही सन्यास लिए जाने की घोषणा कर दी है। फुटबॉलर ज्लाटान इब्राहिमोविच के इस ऐलान के बाद उनके फैंस काफी हैरान और हतप्रभ हो गए है।

दरअसल रविवार को सान सिरो में उन्होंने अचानक ही मैदान पर पहुंचकर फैंस की मौजूदगी में लाइव अपने सन्यास का ऐलान किया है। एसी मिलान के अनुभवी फारवर्ड ज्लाटन इब्राहिमोविच ने तुरंत प्रभाव से फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला किया है। इब्राहिमोविच का मौजूदा सत्र के बाद सिरी ए क्लब एसी मिलान के साथ अनुबंध समाप्त हो रहा था।

मिलान की टीम पहले ही कह चुकी थी कि हेलास वेरोना के खिलाफ मैच के बाद स्वीडन के 41 साल के इब्राहमोविच को विदाई देने के लिए विशेष समारोह का आयोजन किया जाएगा। इब्राहिमोविच ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में खुलासा किया कि उनके संन्यास लेने की खबर की किसी को जानकारी नहीं थी।

उन्होंने कहा, ''यहां तक कि मेरे परिवार को भी नहीं पता था क्योंकि मैं चाहता था कि जब मैं घोषणा करूं तो सभी इसे एक साथ सुनें।'' सेन सिरो में मैच के बाद जब वह मैदान से बाहर निकल रहे थे तो टीम के उनके साथियों ने उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया।

नहीं रुके खिलाड़ी के आंसू

इब्राहिमोविच अपने आंसू नहीं रोक पा रहे थे और उन्होंने अपने साथियों से कहा, ''फुटबॉल को अलविदा कहने का समय आ गया है लेकिन आपको नहीं।'' इब्राहिमोविच ने मिलान की ओर से 163 मैच में 93 गोल दागे। वह जनवरी 2020 में दूसरी बार टीम के साथ जुड़े और पिछले साल टीम के साथ अपना दूसरा सिरी ए खिताब जीता। पिछले साल घुटने के ऑपरेशन के बाद वह चोटों से जूझते रहे और मौजूदा सत्र में टीम की ओर से सिर्फ चार मैच खेल पाए। मिलान के अलावा इब्राहिमोविच पेरिस सेंट जर्मेन, इंटर मिलान, बार्सीलोना, यूवेंटस और अजैक्स जैसी टीमों का हिस्सा रहे। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत स्थानीय क्लब माल्मो के साथ की थी। इब्राहिमोविच ने स्वीडन के लिए 122 मैच में 62 गोल दागे।

एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स में भारत की हीना व भरतप्रीत को स्वर्ण मिला

येचियोन ।भारत ने एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक सहित कुल तीन पदक जीते हैं। भारत की रेजोआना हीना मलिक और भरतप्रीत सिंह ने महिलाओं की 400 मीटर दौड़ और पुरुष चक्का फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। हीना ने 53.31 सेकेंड में दौड़ पूरी की। ये उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 53.22 सेकेंड के समय से कुछ ही अधिक था। इससे पहले उन्होंने अप्रैल में ताशकंद में हुई एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। वहीं भरतप्रीत ने टूर्नामेंट के शुरुआती दिन 55.66 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर भारतीय टीम को दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। इसके अलावा भारत की ही अंतिमा पाल ने 5,000 मीटर रेस 17 मिनट और 17.11 सेकेंड में पूरी कर एक कांस्य पदक जीता।

रेल हादसे में माता-पिता को खोने वाले बच्चों को पढाएंगे सहवाग

नई दिल्ली । टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने ओडिशा में हुए रेल हादसे पर दुख जताते हुए कहा है कि इसमें माता-पिता को खोने वाले बच्चों को वह पढाएंगे। इस दुखद रेल हादसे में 275 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। सहवाग ने रेल हादसे की तस्वीर को पोस्ट करते हुए लिखा, यह तस्वीर हमें लंबे समय तक परेशान करेगी। साथ ही कहा कि दुख की इस घड़ी में मैं कम से कम इतना तो कर ही सकता हूं कि इस भीषण हादसे में जान गंवाने वालों के बच्चों की पढ़ाई का ध्यान रखूं। मैं ऐसे बच्चों को हरियाणा स्थित सहवाग स्कूल की बोर्डिंग फैसिलिटी में मुफ्त शिक्षा देने तैयार हूं। सभी परिवारों के लिए प्रार्थना और उन सभी बहादुर पुरुषों और महिलाओं के लिए तालियों जो बचाव कार्यों में सबसे आगे रहे हैं, मेडिकल टीम और स्वयंसेवक जो स्वेच्छा से रक्तदान कर रहे हैं। हम इसमें उनके साथ हैं। इस घोषणा के बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग सहवाग की जमकर प्रशंसा कर रहे हैं।

नोवाक जोकोविच ने तोड़ा राफेल नडाल का रिकॉर्ड, 17वीं बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में पाई सफलता

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस में खेले जा रहे फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट में सर्बियाई खिलाड़ी और दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने 17वीं बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की है। नोवाक जोकोविच ने पेरू के जुआन पाब्लो वरिलास को मात देकर ये उपलब्धि हासिल की है।

इस जीत के साथ ही नोवाक जोकोविच ने इसके साथ ही उनके बराबर 22 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले राफेल नडाल के 16 बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के रिकॉर्ड तोड़ दिया। कूल्हे की चोट के कारण नडाल इस बार टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे है लेकिन फ्रेंच ओपन के अपने 16 क्वार्टर फाइनल अभियान में से वह 14 को खिताब में बदलने में सफल रहे है। रोलां गैरां के 2016 और 2021 के विजेता जोकोविच को अंतिम आठ में पहुंचने के लिए कोई पसीना नहीं बहाना पड़ा। उन्होंने लगभग दो घंटे तक चले एकतरफा मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 94वें स्थान पर काबिज वेरिलस को 6-3, 6-2, 6-2 से शिकस्त दी। इस दौरान सर्बिया के 36 साल के खिलाड़ी ने 35 विनर लगाये जबकि उनके खिलाफ सिर्फ 15 विनर लगे। जोकोविच ग्रैंड स्लैम में 55वीं बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे है और इस मामले में वह सिर्फ महान खिलाड़ी रोजर फेडरर (58 ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल) से पीछे है। तीसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच के सामने 11वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव की चुनौती होगी। दोनों खिलाड़ियों के बीच नौ मुकाबलों में खाचानोव एक जीत दर्ज करने में सफल रहे है। खाचानोव ने अंतिम 16 के एक अन्य मैच में लोरेंजो सोनेगो 1-6, 6-4, 7-6, 6-1 से शिकस्त दी। महिलाओं के वर्ग में दो गैर-वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अनास्तासिया पाव्लुचेंकोवा और करोलिना मुचोवा क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही। क्वार्टर फाइनल में दोनों खिलाड़ी एक दूसरे के आमने सामने होंगी। फ्रेंच ओपन 2021 की उपविजेता पाव्लुचेंकोवा ने 28वीं रैंकिंग की खिलाड़ी एलिस मर्टेंस को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया। मुचोवा ने एलिना अवनेस्यान को 6-4, 6-4 से हराया।

बजरंग, विनेश और साक्षी नौकरियों पर वापस लौटे पर कहा न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा

-नाबालिग लड़की के प्राथमिकी वापस लेने की बातें फर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजरंग पुनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मालिक अपनी-अपनी नौकरियों पर लौट गये है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद ये पहलवान अपने काम पर वापस आये हैं हालांकि इनका कहना है कि कुश्ती महासंघ के प्रमुख ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ उनका आंदोलन न्याय मिलने तक जारी रहेगा। साक्षी और बजरंग भारतीय रेलवे में ओएसडी के पद पर फिर से नियुक्त हुए।

वहीं साक्षी ने अपने एक ट्वीट में कहा कि आंदोलन समाप्त होने की खबरें गलत हैं। न्याय की लड़ाई में ना हम में से कोई पीछे हटा है, ना हटेगा। सत्याग्रह के साथ साथ रेलवे में अपनी ज़िम्मेदारी को साथ निभा रही हूँ। इंसाफ़ मिलने तक हमारी लड़ाई जारी है। साक्षी ने कहा, हमने गृह मंत्री से मुलाकात की, यह एक सामान्य बातचीत थी। हमारी केवल एक ही मांग ब्रजभूषण की गिरफ्तार है। मैं विरोध से पीछे नहीं हटी हूं, रेलवे में ओएसडी के रूप में मैंने अपना काम फिर से शुरू कर दिया है। मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि जब तक हमें न्याय नहीं मिल जाता तब तक हम विरोध करते रहेंगे। हम पीछे नहीं हटेंगे। साथ ही कहा कि नाबालिग लड़की के प्राथमिकी वापस लेने की खबरें गलत हैं।

वहीं पहलवान बजरंग ने भी आंदोलन वापस लेने की खबरों को गलत बताया है। साथ ही कहा कि ये खबरें हमें नुक़सान पहुँचाने के लिए फैलाई जा रही हैं पर हम न पीछे हटे हैं और न ही हमने आंदोलन वापस लिया है। महिला पहलवानों की एफ़आईआर उठाने की खबर भी गलत है। अब इंसाफ़ मिलने तक सत्याग्रह के साथ लड़ाई जारी रहेगी। पहलवान 23 अप्रैल से ही ब्रजभूषण की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठे थे। नई संसद के उदघाटन के दिन पहलवान जब संसद की ओर बढ़ रहे थे तो उन्हें हिरासत में लेकर दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर खाली करा दिया था। उसके बाद पहलवान अपने मेडल गंगा में बहाने गये थे पर किसान नेताओं ने उन्हें रोक लिया था।

वहीं राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने सोमवार को सरकार पर निशाना साधते हुए अंदेशा जताया कि भाजपा सांसद को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि एक 'कमजोर' आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा और ब्रजभूषण को जमानत मिल जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में पहलवानों की पैरवी कर रहे सिब्बल का यह बयान तब आया जब पता चला कि महिला पहलवानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार देर शाम गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

उरूग्वे और दक्षिण कोरिया अंडर-20 विश्व कप फुटबॉल के सेमीफाइनल में पहुंचीं

ब्यूनर्स आयर्स ।उरूग्वे और दक्षिण कोरिया की टीमें अंडर-20 फुटबॉल विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। वहीं अमेरिका और नाइजीरिया की टीमें हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। उरूग्वे और दक्षिण कोरिया ने रविवार को यहां अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। उरूग्वे ने अमेरिका के खिलाफ मैच में 2-0 से जीत दर्ज की। उरूग्वे की ओर 21वें मिनट में एंडरसन दुराते ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई जबकि 56वें मिनट में जोशुआ विंडर ने आत्मघाती गोल दागकर उरूग्वे की जीत तय कर दी। वहीं दक्षिण कोरिया ने अतिरिक्त समय में किये गोल की सहायता से नाइजीरिया को 1-0 से हराया। दक्षिण कोरिया की ओर से मैच का एकमात्र गोल सियोक ह्युन चोई ने हेडर पर किया। उरूग्वे की टीम अब सेमीफाइनल में गुरुवार को इजराइल से खेलेगी जबकि दक्षिण कोरिया का मुकाबला इटली से होगा।

महाराष्ट्र में शिवसेना और बीजेपी मिलकर लड़ेंगी चुनाव, सीएम शिंदे ने अमित शाह से की मुलाकात

मुंबई, 05 जून (एजेन्सी)। महाराष्ट्र में शिवसेना और भाजपा आगामी चुनाव साथ मिलकर लड़ेंगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने यह जानकारी दी है। बता दें कि रविवार को सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। सीएम शिंदे ने इस मुलाकात की तस्वीर अपने सोशल मीडिया अकाउंट से साझा भी की है।

शिंदे ने ट्वीट में लिखा कि 'हमने फैसला किया है शिवसेना और भाजपा आगामी चुनाव जिनमें लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकाय चुनाव मिलकर लड़ेंगे।' शिंदे ने कहा कि शिवसेना-भाजपा गठबंधन महाराष्ट्र के विकास के लिए बना है और यह मजबूत है। भविष्य में भी हम साथ चुनाव लड़ेंगे और बहुमत से जीतकर महाराष्ट्र के हर क्षेत्र में देश का नंबर एक राज्य बनाना है। साथ ही विकास की दौड़ को भी बरकरार रखना है।

अमित शाह से मुलाकात पर शिंदे पर बताया कि कई मुद्दों जैसे कृषि और सहकारिता आदि पर बात हुई। शिंदे ने कहा कि राज्य में अधूरे पड़े कामों में तेजी लाई जाएगी और जल्द ही उन्हें पूरा कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम हमेशा प्रधानमंत्री मोदी से विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर सलाह लेते हैं। सहकारिता के मुद्दे पर भी अमित शाह से बातचीत हुई। बता दें कि अमित शाह और एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस के बीच हुई ये मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब महाराष्ट्र में शिंदे सरकार को सत्ता में आए करीब एक साल होने वाला है।

एकनाथ शिंदे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मुलाकात इस मायने में भी खास है क्योंकि अमित शाह से मुलाकात से पहले ही एकनाथ शिंदे ने एनसीपी चीफ शरद पवार से मुलाकात की थी। शुक्रवार को एनसीपी मुखिया शरद पवार, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलने उनके सरकारी बंगले पहुंचे थे। सीएम शिंदे खुद पवार के स्वागत के लिए घर के बाहर आए थे। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे तक बातचीत हुई थी। दोनों नेताओं की मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं।

पूर्व अधिकारियों समेत 400 लोग एसडीएफ में शामिल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 जून । राज्य सरकार के विभिन्न विभागों से हाल ही में सेवानिवृत्त हुए कई पूर्व अधिकारी और नौकरशाह ने आज सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट पार्टी की सदस्यता ली। एसडीएफ पार्टी में शामिल होने वालों में पूर्व प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, डॉक्टर, वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी के साथ-साथ भारतीय सेना के पूर्व सैनिक शामिल हैं। उन्होंने आज राजधानी के इंदिरा बाईपास स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित संयुक्त जनसभा में एसडीएफ पार्टी का झंडा थामा। पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग ने नए सदस्यों का पार्टी में स्वागत किया।

सिक्किम सरकार के विभिन्न पदों पर लंबे समय तक जनता की सेवा करने के बाद स्वास्थ्य विभाग के पूर्व निदेशक आज सीधे राजनीति में आने वालों में शामिल हैं। पूर्व स्वास्थ्य निदेशक पीएम प्रधान, अपर मुख्य निरीक्षक डॉ केएस केरौंगी, अपर सचिव जेडी मगर, अपर सचिव भरत राई, संयुक्त सचिव जेपी राई, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रकाश राई, डीएफओ सुख बहादुर राई आदि ने आज एसडीएफ की सदस्यता ग्रहण की। उनके साथ सिलीगुड़ी के एक निजी अस्पताल में कार्यरत एक युवा डॉक्टर भी एसडीएफ में शामिल हुए। इस अवसर पर एसकेएम पार्टी और हाम्रो सिक्किम पार्टी के संस्थापक सदस्य और 2014 विधानसभा चुनावों में नामचेबुंग निर्वाचन क्षेत्र से एसकेएम पार्टी के उम्मीदवार अनूप खरेल और दिलीप राई भी आज आधिकारिक तौर पर एसडीएफ में शामिल हो गए। पार्टी का दावा है कि सत्तारूढ़ एसकेएम और अन्य दलों को छोड़ने वालों सहित लगभग 400 लोगों ने आज एसडीएफ पार्टी की सदस्यता ली।

पार्टी में नए सदस्यों का स्वागत करते हुए अध्यक्ष पवन चामलिंग ने कहा कि चूंकि एसडीएफ पार्टी एक समूह के नेतृत्व वाली पार्टी है, इसलिए सभी को समान सम्मान और अधिकार दिए जाएंगे। इसके अलावा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी में सभी कार्यकर्ताओं को अपने अधिकारों के साथ जिम्मेदारी निभानी चाहिए। चामलिंग ने कहा कि पूर्व भंडारी और चामलिंग सरकार से लेकर मौजूदा पीएस गोले सरकार तक को करीब से देखने वाले पूर्व अधिकारियों ने समझ लिया है कि कौन सी सरकार सही है और आज एसडीएफ पार्टी में शामिल हुए हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आज एसडीएफ पार्टी में शामिल हुए लोगों ने एसडीएफ पार्टी के चयन के कारणों पर प्रकाश डाला।

अवधेश राय हत्या मामले में मुख्तार अंसारी को आजीवन कारावास

नई दिल्ली, 05 जून (एजेन्सी)। 31 साल 10 माह पुराने बहुचर्चित अवधेश राय हत्याकांड में माफिया मुख्तार अंसारी को वाराणसी की एमपी एमएलए कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

अवनीश गौतम की अदालत ने अवधेश राय हत्याकांड मामले में जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही मुख्तार अंसारी पर 1 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया।

वाराणसी की कोर्ट ने आज अवधेश राय हत्याकांड में जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी को दोषी करार दिया।

कांग्रेस नेता अजय राय के भाई अवधेश राय की तीन अगस्त 1991 को उनके लहुराबीर आवास के दरवाजे पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में मुख्तार अंसारी व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

कांग्रेस नेता और मृतक अवधेश राय के भाई अजय राय ने कहा कि ये 32 साल की लड़ाई जो हम सभी ने मिलकर लड़ी आज उसमें सफलता मिली है और ऐसे दुर्दांत अपराधी को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। हम लोग न्यायपालिका के शुक्रगुजार है। मैं लगातार सुरक्षा बढ़ाने की मांग कर रहा हूं मगर सुरक्षा नहीं बढ़ाई जा रही है। अगर मेरे साथ कोई दुर्घटना होती है तो उसकी जिम्मेदार भाजपा होगी।

बता दें बीते एक साल में मुख्तार अंसारी को चार मामलों में सजा सुनाई जा चुकी है। लेकिन पहली बार उम्र कैद की सजा सुनाई गई है।

कोर्ट के फैसले के मद्देनजर सिविल कोर्ट परिसर के साथ ही नौ मंजिला बिल्डिंग स्थित अदालत कक्ष की सुरक्षा व्यवस्था सख्त रही।

बालासोर में एनडीआरएफ ने खत्म किया रेसक्यू अभियान, सभी 9 दल हटाए गए

नई दिल्ली, 05 जून (एजेन्सी)। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने सोमवार को ओडिशा के बालासोर जिले में ट्रेन दुर्घटना स्थल से अपने सभी नौ दलों को वापस बुलाने के साथ अपना बचाव अभियान समाप्त कर दिया। इस हादसे में कम से कम 275 लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि बल ने 44 पीड़ितों को बचाया और दो जून को दुर्घटना के बाद टीम को तैनात किए जाने के बाद से मौके से 121 शव बरामद किए।

उन्होंने कहा कि अभियान समाप्त हो गया है और सभी नौ दलों को अब वापस बुला लिया गया है, क्योंकि बाहानगा बाजार रेलवे स्टेशन के पास दुर्घटना स्थल पर कोई जीवित या मृत पीड़ित मौजूद नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि आठ दलों को रविवार को बुला लिया गया था, जबकि एक दल को सोमवार को वापस बुलाया गया।

नौ दलों को बालासोर, मुंडाली (कटक जिला) और कोलकाता से भेजे जाने के बाद बचाव और राहत अभियान चलाने के लिए राज्य आपदा बलों और स्थानीय प्रशासन के कर्मियों के साथ जोड़ा गया था। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के बचावकर्मियों ने अभियान के दौरान भारी प्लाज्मा और गैस कटर, स्ट्रेचर, श्वान दल और अन्य उपकरण का इस्तेमाल किया।

कोरोमंडल एक्सप्रेस शुक्रवार शाम करीब सात बजे लूप लाइन पर खड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गई, जिससे इसके (कोरोमंडल एक्सप्रेस के) अधिकतर डिब्बे पटरी से उतर गए। उसी समय वहां से गुजर रही तेज रफ्तार बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के कुछ डिब्बे कोरोमंडल एक्सप्रेस से टकरा कर पटरी से उतर गए।

तीस्ता-VI जलविद्युत परियोजना ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 जून । तीस्ता-VI जलविद्युत परियोजना द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन बड़े ही उत्साहपूर्वक किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एलटीएचपीएल) एवं परियोजना प्रमुख एके दास के द्वारा प्रशासनिक कार्यालय, पावर हाउस, पंफोक में पौधारोपण कर किया गया साथ ही साथ परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी पौधारोपण किया गया। इसके बाद परियोजना प्रमुख की अगुआई में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता लाने के उद्येश्य से सभी कार्मिकों एवं राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिंगताम, सिक्किम से आए विद्यार्थियों ने वाकाथन में भाग लिया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में परियोजना प्रमुख ने सभी कार्मिकों एवं विद्यार्थियोंको पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता लाने के लिए प्रतिज्ञा दिलाई।

दिनांक 22 और 23 मई को राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिंगताम में स्कूल के बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता लाने के लिए ऊर्जा संरक्षण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता एवं जल संरक्षण विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इन प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को परियोजना प्रमुख द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। परियोजना प्रमुख ने अपने संदेश में सभी को पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिंगताम को आम, जामुन, अमरूद एवं लीची के पौधे भी दिये गए। विश्व पर्यावरण दिवस 2023 के सफल आयोजन के लिए उप महाप्रबंधक (पर्यावरण) ने उपस्थित सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल विस्तार जल्द, समयसीमा शिंदे तय करेंगे : फडणवीस

मुंबई, 05 जून (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इसकी समयसीमा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तय करेंगे। यही नहीं, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और भाजपा सभी चुनाव मिलकर लड़ेंगी। दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ उनकी बैठक के दौरान इस पर विस्तार से चर्चा हुई थी।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र कैबिनेट का विस्तार जल्द होगा। सीएम शिंदे तय करेंगे कि यह कब होगा। जून में सत्ता में आने के बाद पिछले साल नौ अगस्त को शिंदे-फडणवीस सरकार में 18 मंत्रियों को शामिल किया गया था। नियमों के मुताबिक राज्य में मंत्रिपरिषद में अधिकतम 43 मंत्री हो सकते हैं।

इससे पहले शिंदे ने एक ट्वीट कर जानकारी दी थी कि वह और फडणवीस रविवार रात दिल्ली में अमित शाह से मिले थे। फडणवीस ने कहा कि कल, हमने (शिवसेना और भाजपा) सभी चुनाव एक साथ लड़ने और संयुक्त रणनीति बनाने पर चर्चा की। हमने तालुकों और जिलों में दोनों दलों के बीच समन्वय पर भी चर्चा की है।

कांग्रेस नेता नाना पटोले और शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत की ओर से उनके दिल्ली दौरे की आलोचना किए जाने पर फडणवीस ने पलटवार करते हुए कहा कि पटोले की पार्टी कांग्रेस में प्रार्थना सभा में शामिल होने के लिए भी आलाकमान से अनुमति की जरूरत होती है। अगर हम दिल्ली जाते हैं तो क्या गलत है?

औरंगाबाद शहर में एक जुलूस में मुगल बादशाह औरंगजेब की

तस्वीर के कथित प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा कि इस तरह का कृत्य बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फडणवीस के पास गृह मंत्रालय भी है।

ईडी ने गुजरात की कंपनी के 25 ठिकानों पर मारा छापा, 122 करोड़ की जीएसटी चोरी का आरोप

अहमदाबाद, 05 जून (एजेन्सी)। प्रवर्तन निदेशालय ने जीएसटी चोरी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में गुजरात की कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की है। ईडी ने इस मामले में कई शहरों में छापेमारी कर 29 लाख रुपये की नकदी जब्त की है। जांच एजेंसी ने सोमवार को इस बारे में जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि गुजरात की कंपनी पर 122 करोड़ रुपये की कथित जीएसटी चोरी का आरोप है।

जांच एजेंसी ने बताया कि मोहम्मद एजाज बोमर और अन्य के खिलाफ एक मामले में दो जून को अहमदाबाद, भावनगर, बोटाद, गांधीधाम और मुंबई और बेंगलुरु में 25 स्थानों पर छापा मारा था। छापेमारी के दौरान आधार कार्ड से मोबाइल नंबर बदलने के लिए फॉर्म,फर्जी संस्थाओं से जारी किए गए फर्जी बिल और डिजिटल सबूत और 29 लाख रुपये नकद और कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए थे।

इस छापेमारी में उन संस्थाओं पर फोकस किया गया था, जिनके आधार पर नकली जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) फर्में बनाई गई थीं। इतना ही नहीं इन संस्थाओं का उपयोग फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) देने के लिए किया गया था।

इस मामले में पहले गुजरात की भावनगर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। बाद में यह मामला ईडी ने अपने हाथ में ले लिया। उसने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धाराओं के तहत दोबारा मामला दर्ज किया।

इस मामले में पुलिस द्वारा दायर चार्जशीट के मुताबिक,आरोपी ने सरकारी योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता का वादा करने वाले कई व्यक्तियों के आधार कार्ड से जुड़े मोबाइल नंबर बदल दिए। बाद में पैन तथा फिर जीएसटी पंजीकरण हासिल करने के लिए इन आधार विवरणों का इस्तेमाल किया। ईडी ने चार्जशीट के हवाले से यह भी बताया है कि 461 फर्जी फर्मों के इस्तेमाल से 1,102 करोड़ रुपये से अधिक के नकली चालान जारी किए गए और 122 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी की गई।

ईडी ने यह भी बताया है कि आरोपी जीएसटी पंजीकरण प्राप्त करने के लिए जाली दस्तावेजों के माध्यम से फर्जी संस्थाएं बना रहे थे। बाद में, इन फर्जी संस्थाओं द्वारा कमीशन के आधार पर फर्जी चालान बनाकर लाभार्थियों को आईटीसी दिया गया। इन फर्जी चालान का भुगतान बैंकिंग चैनलों के जरिए किया गया था। इस तरह बाद में फर्जी संस्था के ऑपरेटर और लाभार्थी के बीच में नकदी में राशि ली जाती थी।

वहीं, एक अन्य मामले में ईडी ने रियल्टी समूहों आईआरईओ और एम3एम पर छापे मारे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को इसके बारे में जानकारी दी है। जांच एजेंसी ने कहा कि मुंबई में रियल इस्टेट कंपनियों आईआरईओ और एम3एम पर छापेमारी के दौरान फेरारी, लेम्बोर्गिनी और बेंटले समेत 60 करोड़ रुपये की लग्जरी कारें और 5.75 करोड़ रुपये मूल्य के आभूषण जब्त किए हैं।

संघीय एजेंसी ने बयान में यह भी कहा कि दिल्ली और गुरुग्राम में उनके सात ठिकानों पर एक जून को तलाशी ली गई थी। ईडी ने यह आरोप भी लगाया है कि एम3एम समूह के मालिक, नियंत्रक और प्रवर्तक बसंत बंसल, रूप कुमार बंसल, पंकज बंसल और अन्य प्रमुख व्यक्ति छापे के दौरान जानबूझकर जांच से बचते रहे।

एजेंसी पिछले कुछ सालों से निवेशकों और ग्राहकों के फंड को डायवर्ट करने, बेईमानी से निकालने और गबन करने के आरोप में आईआरईओ समूह की जांच कर रही है। इस मामले की जांच के दौरान पता चला कि एम3एम समूह भी ऐसी गतिविधियों में संलिप्त है। इस समूह के माध्यम से बड़ी मात्रा में सैकड़ों करोड़ रुपये की धनराशि का गबन किया गया था।

सीबीआई ने एम्ब्रेयर भ्रष्टाचार मामले में हथियारों के सौदागर अरविंद खन्ना, वकील गौतम खेतान और कारोबारी अनूप गुप्ता के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। सीबीआई के मुताबिक ब्राजील के पक्ष में डीआरडीओ के साथ तीन-विमान सौदे को अंतिम रूप देने के लिए अधिकारियों को 57.6 लाख अमेरिकी डॉलर रिश्वत दी गई थी।

सीबीआई की एक विशेष अदालत में हाल ही में दाखिल आरोपपत्र में एजेंसी ने खन्ना, खेतान और गुप्ता के खिलाफ आईपीसी की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के प्रावधान) के तहत आरोप लगाये। सीबीआई ने एफआईआर में नामित एनआरआई कारोबारी विपिन खन्ना की मौत के बाद उसके खिलाफ कार्यवाही बंद कर दी। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के हवाई-वाहित रडार सिस्टम स्थापित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले तीन विमानों का सौदा 2008 में ब्राजील की फर्म एम्ब्रेयर के साथ किया गया था।

सीबीआई के मुताबिक, डीआरडीओ में अधिकारियों को प्रभावित करने के लिए सिंगापुर स्थित इंटरदेव के माध्यम से एंब्रायर की सहायक कंपनियों से विपिन खन्ना को कथित तौर पर 57.6 लाख अमेरिकी डालर की रिश्वत दी गई थी।

सीबीआई ने एफआईआर में 3 जुलाई, 2008 को हुए सौदे में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में एम्ब्रेयर और इंटरदेव पीटीई लिमिटेड के खिलाफ भी मामला दर्ज किया था। सीबीआई ने ब्राजील के एक अखबार में एम्ब्रेयर पर सऊदी अरब और भारत में सौदे करने के लिए बिचौलियों के इस्तेमाल वाले आरोपों के बाद सितंबर 2016 में जांच शुरू की थी।

डियर साप्ताहिक लॉटरी हूगली निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

हूगली, पश्चिम बंगाल की श्रीमती ज्योत्सना मंडल ने **03.04.2023** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **8 6 C 81174** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। ''एक करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि, जिन्हें मैंने डियर लॉटरी से जीती है, के साथ मैं आर्थिक रूप से और अधिक सुरक्षित महसूस कर रही हूं। इस स्वर्णिम अवसर के लिए मैं डियर लॉटरी तथा नागालैंड स्टेट लॉटरीज की प्रशंसा करना चाहती हूं। यह अवसर साफ बताता है कि काफी सारे लोग करोड़पति बन सकते हैं।'' विजेता ने कहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्टो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com